RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 दीपिका पादुकोण ने की ब्रैड पिट...

वर्ष : 27 | अंक : 193 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 03 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनी

डांटने पर मालकिन और बेटे की कर दी हत्या

- पहले माँ को मारा, बेटे ने देखा तो रेत दिया गला
- आरोपी नौकर को यूपी के चंदौली से गिरफ्तार किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के दक्षिण पूर्वी इलाके लाजपतनगर में डबल मर्डर से सनसनी मच गई है। बुधवार देर रात धारदार हथियार से वारदात को अंजाम देते हुए माँ और बेटे की एक साथ हत्या कर दी गई। घर में काम करने वाले नौकर ने हत्या की बात कुबूल की है। वारदात को रात के वक्त अंजाम दिया गया, जब महिला का पति कुलदीप घर से बाहर था।

जानकारी के मुताबिक जब दरवाजा तोड़े जाने के बाद महिला का पति और पुलिस की टीम घर के अंदर घुसी तो महिला का शव बेडरूम में मिला है, जबकि उनके बेटे का शव वॉशरूम से बरामद किया गया है। महिला का नाम रुचिका (42) है, जबकि बेटे का नाम कृष (14) है। पति के द्वारा शिकायत किए जाने के बाद पुलिस मामले की तहकीकात करने पहुंची थी। दरअसल महिला के पति कुलदीप जब अपने घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि घर का दरवाजा बंद है और सीड़ियों पर खून टपका हुआ है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को फोन किया।

घर में काम करने वाले नौकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक शुरुआती पूछताछ में नौकर ने बताया कि मालकिन ने डांटा था, इसलिए डबल मर्डर को अंजाम दिया है। नौकर मुकेश पासवान पुत्र नरेश पासवान को यूपी के चंदौली से कोतवाली मुगलसराय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुकेश बिहार का रहने वाला है। वह फैमिली के लिए ड्राइवर का काम करता था और कपड़े की दुकान पर हेल्पर के रूप में सेवा देता था।

सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में मुकेश ने पुलिस को बताया है कि मालकिन उससे उलटा-सीधा बोलती थी। तबियत खराब होने के बाद भी काम पर बुलाती थी और डांटती थी। पहले उसने महिला को मारा तभी बेटे ने मर्डर करते देख लिया जिसके बाद उसका भी गला रेत दिया और फरार हो गया।

हापुड़ में भीषण सड़क हादसा

रॉंग साइड से आ रहे कैंटर ने बाइक में मारी टक्कर, पांच की मौत

हापुड़ (एजेंसी)। हापुड़ जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गलत दिशा में आ रहे कैंटर ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, पांच लोगों की मौत से परिवारों में कोहराम मच गया।

हापुड़ के हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास बुधवार रात हुए भीषण हादसे में चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतक एक ही बाइक पर सवार थे। मृतकों में पिता और दो बेटियां भी शामिल हैं।

हापुड़ के मोहल्ला रफीकनगर निवासी राजमिस्त्री दानिश (36) अपनी दो बेटियों माहिरा (6), समायरा (5) के अलावा भाई सरताज के बेटे समर (8) और दोस्त रफीकनगर निवासी वकील के बेटे माहिम (8) को लेकर गुलावठी के गांव मिठ्ठेपुर गए थे।

वहां पांचों ने बाग में स्थित स्विमिंगपूल में स्नान किया। इसके बाद रात साढ़े दस बजे के करीब बाइक में चारों बच्चों को बैठाकर दानिश वापस गांव आ रहे थे। हाफिजपुर क्षेत्र में पड़ाव के पास एक रांग साइड से आए कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मुस्लिम धर्म अपनाने वाले 15 लोगों की 'घर वापसी'

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में बृहस्पतिवार को हिंदू धर्म से इस्लाम में धर्मांतरण कराए गए 15 लोगों की घर वापसी कराई गई। लखनऊ के गोमतीनगर में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्यों द्वारा शंख ध्वनि और मंत्रोच्चारण के साथ इन 15 लोगों की विधिवत हिंदू धर्म में वापसी कराई गई। इस मौके पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही।

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने जानकारी दी कि बलरामपुर में गजवा-ए-हिंद का मजबूत चेहरा छांगुर पीर मोहम्मद अहमद खान और अब्दुल माबूद रजा लोगों का जबरन या जाल रचकर धर्मांतरण करवाते हैं। कुछ लड़कियां जो अपने माता पिता की इकलौती संतान हैं या कमजोर वर्ग की थीं उन्हें शिकार बनाया गया। धर्म बदलने के अलावा उनकी संपत्तियों पर भी कब्जा किया। इन लोगों को विदेशों से अच्छी खासी फंडिंग मिलती है।

गोपाल राय ने इस पूरे मामले की जांच कर जाने की मांग उठाई है। उन्होंने बताया कि एसटीएफ समेत कई थानों में इनके ऊपर मुकदमें हैं। कहा जा रहा है कि विदेशों से मिली फंडिंग और और तरह-तरह के जाल रचते हुए छांगुर पीर मोहम्मद ने लगभग तीन हजार लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण कराया है। उत्तर प्रदेश में हुए कमलेश तिवारी और चंदन गुप्ता की हत्या से इनके तार जुड़े हुए हैं। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि जिन लोगों **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

सिक्योरिटी सुपरवाइजर से मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-36 में सफाईकर्मी ने अपने साथी के साथ मिलकर सिक्योरिटी सुपरवाइजर के साथ मारपीट की। सेक्टर-36 निवासी गौरव कुमार ने बताया कि 1 जुलाई को वह सेक्टर-39 के गेट नंबर-8 पर ड्यूटी पर मौजूद था। गेट के सामने भंडारा चल रहा था जिसकी वजह से जाम लग गया था। उसने गेट के पास खड़े अल्ताफ, सफाईकर्मी विजय उर्फ टोनी व उसके दो अन्य साथियों को वहां से हटाने के लिए कहा। इस बात को लेकर चारों आरोपी भड़क गए और गाली गलौज करने लगे। उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट की घटना में उसके नाक की हड्डी टूट गई लहुलुहान करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

दबंगों ने युवकों को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बारात घर से देर रात अपने घर लौट रहे कुछ युवकों पर घात लगाकर बैठे दबंगों ने हमला कर दिया। युवकों की लाठी डंडों से पिटाई की गई जिससे वह घायल हो गए। इस संबंध में थाना जेवर में तीन नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम भगवंतपुर कला निवासी कृपाल सिंह ने बताया कि बीती रात्रि को वह अपने भाई मुरारी तथा गांव के ही मनवीर छत्रपाल के साथ बारात घर से अपने घर आ रहे थे। इस दौरान अपने घर के बाहर रास्ते में घात लगाकर बैठे गज्जू, मुकेश, जसराम ने उन्हें घेर लिया और गाली गलौज करने लगे। उन्होंने जब गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी डंडों से उनके साथ मारपीट की मारपीट कर घायल करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पिता ने डांटा तो गुस्से में घर से चला गया किशोर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र में मां-बाप से कहासुनी होने के बाद (12 वर्षीय) किशोर गुस्से में घर से चला गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

भुना रोड निवासी प्रेमराज भाटी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 30 जून की रात्रि को उन्होंने अपने (12 वर्षीय) बेटे को किसी बात पर डांट दिया था। इस बात से गुस्सा होकर उनका बेटा घर से चला गया। देर रात तक जब वह वापस घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश की। लेकिन कोई पता नहीं चला।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोर की तलाश की जा रही है।

दिव्य कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित दिव्य श्रीराम कथा का भव्य आयोजन हनुमान मंदिर सेक्टर-20 नोएडा में 3 जुलाई से 10 जुलाई तक किया गया है। बृहस्पतिवार को दिव्य कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा की सैकड़ों की संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने सहभागिता की और जय श्री राम के नारे चहुंओर गुंजायमान रहे।

बताते चलें कि कथा व्यास, बालयोगी ब्रह्मचारी महान संत स्वामी दिलीप दास त्यागी मुखारबिंद से होगी है। भव्य कलश यात्रा में प्रमुख रूप से जयप्रकाश तंवर, रोहन तंवर, गीता तंवर, भोला भाटी, शीतल गिरी, मुकेश शर्मा, शीतल शर्मा, महंत नीरज दास शास्त्री, आचार्य राजमणि त्रिपाठी, ब्रह्मचारी गीता भाटी, मंदिर अध्यक्ष विनय गुप्ता, महासचिव संदीप पोरवाल, कोषाध्यक्ष गंगाराम, ज्योति, विनीता, पिंकी, सोनी, नीरू रस्तोगी, सुमित्रा ठाकुर, प्रेम शंकर चौधरी, गीता अग्रवाल इत्यादि लोगों की सहभागिता रही।

कथा प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक चलेगी। यह जानकारी राष्ट्रीय संयोजक रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट, अयोध्या धाम जितेन्द्र पाण्डेय 'अभय' ने दी।

प्राइवेट फोटो किये वायरल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 में एक युवती ने युवक पर उसके प्राइवेट फोटो सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी युवक उसे ब्लैकमेल कर रहा है। थाना क्षेत्र में रहने वाली प्रिया (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी 2 साल से कुंवर देश नायक के साथ दोस्ती थी। पिछले दिनों उसने उससे दूरियां बना ली। इसके बाद कुंवर देश नायक ने उसके प्राइवेट फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उसने जब जानकारी मिलने पर उससे बात की तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि कुंवर देश नायक उसे ब्लैकमेल करने के साथ-साथ जान से मारने की भी धमकी दे रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बाप-बेटे बने लुटेरे पुलिस ने किया लंगड़ा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना मुरादनगर पुलिस टीम ने पेरिफेरल अंडरपास पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख संदिग्ध भागने लगे और पुलिस पर फायरिंग कर दी। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को पकड़ा है जो बाप-बेटा हैं। पुलिस जब चेकिंग कर रही थी तभी 2 बाइक सवार व्यक्ति दुहाई गाँव की ओर से आते दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो पुलिस टीम को देखकर कन्नौजा रोड की तरफ मोटरसाइकिल से तेजी से भागने लगे तभी उसकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। पुलिस टीम से अपने को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया।

पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश के पैर में गोली लगी।

पुलिस टीम द्वारा मौके से उमर पुत्र शाहिद निवासी ग्राम कल्लूगाड़ी थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा 315 बोर, 1 खोखा कारतूस 315 बोर व 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर, एक जोड़ी कान के कुंडल (पीली धातु) व घटना में प्रयुक्त 1 प्लेटिना मोटर साइकिल बरामद हुई। घायल अभियुक्त को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है तथा पुलिस टीम द्वारा कंबिग के दौरान दूसरे अभियुक्त शाहिद पुत्र अख्तर को भी गिरफ्तार किया गया।

योगी सरकार में नागरिक उड्डयन नीति को लगे पंख

डॉ. रंजन तोमर की आरटीआई में खुलासा, राज्य में 16 एयरपोर्ट ऑपरेशनल

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में वर्ष-2017 में सत्ता में आई योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में नागरिक उड्डयन नीति को पंख लग गए हैं और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा एयरपोर्ट वाला राज्य बन गया है।

उत्तर प्रदेश की नागरिक उड्डयन नीति को योगी सरकार आने के बाद मानो पंख लग गए हैं। एक आरटीआई के जवाब में नागरिक उड्डयन निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए जवाब में यह खुलासे हुए हैं। शहर के समाजसेवी डॉ. रंजन तोमर ने नागरिक उडडयन निदेशालय से दो सवाल पूछे थे जिनके जवाब में निदेशालय के सहायक निदेशक बलबीर सिंह ने जानकारी दी है कि मार्च 2017 के पूर्व प्रदेश में 04 एयरपोर्ट्स ऑपरेशनल थे, 2017 के पश्चात राज्य सरकार द्वारा 12 एयरपोर्ट्स का विकास कराया गया है। वर्तमान में प्रदेश में 16 एयरपोर्ट्स ऑपरेशनल हैं, जिनमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, प्रयागराज, कानपुर, बरेली, हिंडन, कुशीनगर, अयोध्या, अलीगढ, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, चित्रकूट और सहारनपुर शामिल हैं।

5 गुना बढ़ गया बजट

दूसरे सवाल के जवाब में निदेशालय ने जवाब दिया कि राज्य सरकार द्वारा 2017 -18 में बजट धनराशि 67 ,260 लाख रुपए थी वह 2018 -19 में 1 ,20 ,041 लाख , 2019 -20 में 2 ,20 ,396 लाख , 2020 -21 में 2 ,75 , 165 लाख , 2021 -22 में 2 ,30 ,719 लाख , 2022 -23 में 2 ,31 ,568 लाख रुपए , 2023 -24 में 1 ,89 ,070 लाख रुपए , 2024 - 25 में 2 ,77 ,459 लाख रुपए एवं 2025 -26 में 3 , 15 , 199 लाख रुपए हो गया , जिसका अर्थ है की बजट 5 गुना बढ़ गया , गौरतलब यह भी है की इस दौरान कोरोना जैसी बीमारी का सामना भी देश को करना पड़ा जिस दौरान बड़े बड़े प्रोजेक्ट रुक गए।

समाजसेवी डॉ. रंजन तोमर का कहना है की उन्होंने यह आरटीआई प्रदेश में एयरपोर्ट्स की स्तिथि जानने के लिए लगाई थी , जिससे बेहद सुखद जानकारियां प्राप्त हुई हैं। जिसका श्रेय उत्तर प्रदेश की योगी सरकार खासकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया जाना चाहिए।

3 एयरपोर्ट बनाये जा रहे हैं

इस दौरान तीन और एयरपोर्ट बनाये जा रहे हैं, जिनमें एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर, म्योरपुर सोनभद्र एयरपोर्ट एवं ललितपुर एयरपोर्ट शामिल हैं।

पुलिस का खेल, दुर्घटनाग्रस्त कार के नंबर में हेरफेर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी थाना पुलिस का एक अजीबोगरीब खेल सामने आया है। दादरी थाने की पुलिस ने कार दुर्घटना में शामिल कार के नंबर में हेर फेरकर दूसरी कार का नंबर चढ़ा दिया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई थी। पीड़ित जब न्यायालय की शरण में गया तो उसकी रिपोर्ट दर्ज की गई।

मूल रूप से जनपद महोबा के रहने वाले देवराज सिंह ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह हाल में ग्राम बादलपुर में रह रहा है। 31 दिसंबर 2024 को उसका भाई युवराज कार संख्या यूपी 16 सी जे 5972 से डेरी मच्छा से सिकंदराबाद के लिए जा रहा था। कार को अभिषेक चला रहा था। कार जैसे ही दादरी बाईपास पर चिटहैरा गांव के पास पहुंची तो कार के चालक ने तेजी व लापरवाही से कार को डिवाइडर से टकरा दिया जिससे वह पलट गई। इस दुर्घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसके भाई युवराज वश में अभिषेक को चोटें आई। दुर्घटना में आई चोट के कारण उसके भाई युवराज की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

देवराज सिंह के मुताबिक 5 जनवरी 2025 को उसने इस दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए थाना दादरी में प्रार्थना पत्र दिया था। पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज न कर दूसरी रिपोर्ट बनाकर कार नंबर यूपी-16 जे 1972 के विरुद्ध जानबूझकर गलत रिपोर्ट दर्ज कर ली। उसने इस संबंध में पुलिस से बात की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित के मुताबिक इस संबंध में उसने पुलिस के उच्च अधिकारियों को भी पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की। बावजूद इसके दादरी पुलिस द्वारा कार **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मुट्ठी में दुनिया

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में प्रौद्योगिकी ने आम भारतीय के जीवन को सहज-सरल बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। आज तमाम तरह की सुविधाओं को हासिल करने के लिये उसे दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अनेक सेवाएं एक क्लिक के साथ उसकी मुट्ठी में होती हैं। दरअसल, डिजिटल इंडिया की महत्वाकांक्षी पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। जिसका मकसद रोजाना व्यवहार में सामने आने वाली जटिलताओं को दूर करके जीवन को आसान बनाना था। निस्संदेह, पिछले एक दशक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने कई प्रकार से नागरिकों को सशक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभायी है। विशेष रूप से डिजिटल भुगतान आज पूरे देश में अपरिहार्य हो गए हैं। इससे जुड़े आंकड़े पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई लेन-देन किए गए हैं। इन यूपीआई लेनदेन की संख्या करीब 1,860 थी। वर्ष 2023 में भारत ने वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन का 49 फीसदी हासिल किया। जिसमें 46 करोड़ लोग और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का उपयोग कर रहे थे। निस्संदेह, शासन के विभिन्न क्षेत्रों में भी डिजिटल उपयोग में खासी प्रगति हुई है। जिससे व्यवस्था अधिक पारदर्शी और नागरिकों के हितों के अनुकूल हो गई है। इस डिजिटल क्रांति के चलते स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग और अन्य सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच आसान हुई है। डिजिटल क्रांति से जुड़ी तमाम चुनौतियों के अलावा अभी देश में डिजिटल डिवाइड की समस्या बनी हुई है। जिसे यथाशीघ्र पाटने की जरूरत है। हालांकि, इस दिशा में आशातीत प्रगति भी हुई है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने के लिये चरणबद्ध प्रयासों की सख्त जरूरत है। यह चुनौती ग्रामीण भारत में अधिक नजर आती है। जहां इंटरनेट सेवाओं और मोबाइलों की पहुंच शहरों के मुकाबले कम है। जाहिर है, जब देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल क्रांति का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा, इस क्रांति के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। निश्चित रूप से देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग आदि सेवाओं में जो व्यापक सुधार आया है, उसका लाभ हर नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर देश में डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटने की दिशा में मिशन के रूप में प्रयास जारी हैं। लेकिन हाल में हुए कुछ सर्वेक्षणों के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। इसमें शामिल व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण - दूरसंचार, 2025 का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। जिसके अनुसार साल 2025 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लगभग आधी महिलाओं के पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं थे। इसके निष्कर्ष एक महीने पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भी जारी किए गए थे। वहीं इसी तरह एक और आंख खोलने वाली बात शिक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले यूनिफाइड डिस्ट्रिक इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट में भी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के केवल 57.2 फीसदी स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर ही उपलब्ध हैं। वहीं दूसरी ओर 53.9 प्रतिशत स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। देश के विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत नेट परियोजना के तहत कुल 6.55 लाख गांवों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिये लक्षित किया जाना था, लेकिन अभी तक उसमें दो-तिहाई गांवों को कवर किया जाना अभी बाकी है। वहीं दूसरी ओर देश की इस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने बीएसएनएल की दुर्दशा को भी उजागर किया है, जो एक के बाद एक पुनरुद्धार पैकेज मिलने के बावजूद टेलीकॉम क्षेत्र की निजी कंपनियों के खिलाड़ियों से पीछे है। निस्संदेह, मोदी सरकार के पास डिजिटल इंडिया की प्रगति के लिये अपनी पीठ थपथपाने के लिये कई कारण हैं, लेकिन उसे कमियों और अंतरालों पर ध्यान देने की सलाह दी जाएगी। निश्चित रूप से डिजिटल पारिस्थितिकीय तंत्र के भीतर व्याप्त असमानताओं को दूर किए बिना विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा। डिजिटल क्रांति को गति देना निश्चित तौर पर राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (उनके डर से) कहीं भी शुभ आचरण (ब्राह्मण भोजन, यज्ञ, श्राद्ध आदि) नहीं होते थे। देवता, ब्राह्मण और गुरु को कोई नहीं मानता था। न हरिभक्ति थी, न यज्ञ, तप और ज्ञान था। वेद और पुराण तो स्वप्न में भी सुनने को नहीं मिलते थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जप जोग बिरागा तप मख भागा श्रवन सुनइ दससीसा।
आपुनु उठि धावइ रहै न पावइ धरि सब घालइ खीसा॥
अस भ्रष्ट अचारा भा संसारा धर्म सुनिअ नहिं काना।
तेहि बहुबिधि त्रासइ देस निकासइ जो कह बेद पुराना॥

जप, योग, वैराग्य, तप तथा यज्ञ में (देवताओं के) भाग पाने की बात रावण कहीं कानों से सुन पाता, तो (उसी समय) स्वयं उठ दौड़ता। कुछ भी रहने नहीं पाता, वह सबको पकड़कर विध्वंस कर डालता था। संसार में ऐसा भ्रष्ट आचरण फैल गया कि धर्म तो कानों में सुनने में नहीं आता था, जो कोई वेद और पुराण कहता, उसको बहुत तरह से त्रास देता और देश से निकाल देता था।

बरनि न जाइ अनीति घोर निसाचर जो करहिं।
हिंसा पर अति प्रीति तिन्ह के पापहि कवनि मिति॥

राक्षस लोग जो घोर अत्याचार करते थे, उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। हिंसा पर ही जिनकी प्रीति है, उनके पापों का क्या ठिकाना॥

बाढ़े खल बहु चोर जुआरा। जे लंपट परधन परदारा॥
मानहिं मातु पिता नहिं देवा। साधुन्ह सन करवावहिं सेवा॥

पराए धन और पराई स्त्री पर मन चलाने वाले, दुष्ट, चोर और जुआरी बहुत बढ़ गए। लोग माता-पिता और देवताओं को नहीं मानते थे और साधुओं (की सेवा करना तो दूर रहा, उल्टे उन) से सेवा करवाते थे॥

(क्रमशः...)

अपराधियों से निपटने में विफल नीतिश सरकार देगी हथियार के लाइसेंस

राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इससे बेशक राज्य का चाहे कितना ही नुकसान क्यों ना हो। बिहार जैसा प्रदेश जो एक दौर में नस्लवाद और जातीय हिंसा के लिए कुख्यात रहा, अब भी अपराधों के मामले में पीछे नहीं हैं। बिहार में सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल रहा हो, अपराधों से सभी का गहरा रिश्ता रहा है। बिहार में कानून-व्यवस्था हमेशा से एक चुनौती रही है। हालात यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। इसका सरकार ने आसान विकल्प खोज लिया है। वह यह है कि अब मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधि आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रख सकेंगे। जिससे लगभग ढाई लाख जनप्रतिनिधियों को फायदा मिलेगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आवेदनों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में आगामी चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नीतिश सरकार के इस फैसले को चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है।

बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है। यदि नीतिश कुमार के इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा के हित में भी माना जाए तब यह प्रदेश में अपराध की हालत को दर्शाता है। जिस प्रदेश में जनप्रतिनिधी ही सुरक्षित नहीं हैं, वहां आम अवाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। सवाल यह भी है कि लाखों की संख्या में हथियारों के लाइसेंस देने से क्या राज्य में हिंसा में बढ़ोत्तरी नहीं होगी। बिहार में यदि पुलिस तंत्र प्रभावी और मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती कि लाखों जनप्रतिनिधियों को हथियारों के लिए लाइसेंस दिया जाए। इससे जाहिर है कि मुख्यमंत्री नीतिश ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के बजाए हथियारों के लाइसेंस देने का आसान विकल्प चुना है। बड़ा सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधी अपनी सुरक्षा हथियारों से कर लेंगे, किन्तु प्रदेश की अवाम का क्या होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश का यह फैसला दर्शाता है कि

बिहार में कानून-व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है। बिहार पुलिस हिंसक अपराध के मामलों में आई तेजी है। बिहार में पिछले 10 वर्षों में राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस, अवैध बंदूक और गोला व बारूद की अनाधिकृत तौर पर बिक्री बढ़ी है और यह प्रदेश में बढ़ रही हिंसा की बड़ी वजह है। राज्य के अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने इस दिशा में एक अध्ययन भी किया है। बिहार पुलिस ने यह अध्ययन बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार को सुपर्द किया। पुलिस ने राज्य में हिंसक अपराधों में वृद्धि को सीधे तौर पर राज्य में अवैध हथियारों और गोला-बारूद की बढ़ती बिक्री से जोड़ा है और हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, डकैती, लूट, बैंक डकैती और सड़क डकैती जैसे अपराधों के लिए इसे जिम्मेदार माना है। एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो) के अनुसार, बिहार 2017 से 2022 के बीच हिंसक अपराधों के मामले में लगातार शीर्ष पांच राज्यों में शुमार रहा है। इस अध्ययन में यह बात सामने आई कि प्रति वर्ष पटना में 82 हिंसा के मामले औसतन रूप से सामने आए हैं और राज्य की राजधानी हिंसा की राजधानी बन चुकी है। पटना के बाद क्रमशः मोतिहारी में 49.53, सारण 44.08), गया 43.50, मुजफ्फरपुर 39.93 और वैशाली में 37.90 मामले प्रति वर्ष औसतन दर्ज किए जा रहे हैं। हिंसक अपराधों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष 10 जिलों में पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, नालंदा और बेगूसराय शामिल हैं। ये उन शीर्ष 10 जिलों में से भी हैं जिनमें सबसे अधिक आर्म्स एक्ट के मामले हैं। अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अवैध आग्नेयास्त्र और हिंसक अपराध के मामलों के बीच घनिष्ठ संबंध है। एक दशक के अपराधों के अध्ययन के आधार पर विशेष कार्य बल ने बिहार के डीजीपी से सिफारिश की है कि वे व्यक्तिगत गोला-बारूद कोटा को मौजूदा 200 से घटाकर न्यूनतम कर दें। साथ ही यह भी सिफारिश की गई है कि डीजीपी कार्यालय आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने में असमर्थ मानता है, उनके लाइसेंस रद्द कर दे। लाइसेंस प्राप्त मिनीगन कारखानों की निगरानी करें। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत में अपराधों के मामलों में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश रहा। इसके बाद अपराधों के पायदान पर क्रमशः केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार है। अपराधों की श्रेणी में चोरी के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए। इसके बाद दूसरे नंबर पर डकैती और उत्पीडन के मामले सामने आए। अपराधों में आंकड़ों के लिहाज से तीसरे नंबर बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। इस मामले में चिंता की बात यह है कि इसमें वर्ष 2023 के मुकाबले 1.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है जबकि अपहरण के मामलों में पिछले वर्ष के मुकाबले 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बिहार सरकार द्वारा जारी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित दर्ज और निपटाए गए मामलों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 में क्रमशः 13.05 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में दर्ज सभी मामलों में से घरेलू हिंसा के लिए सबसे ज़्यादा 4,889 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद दहेज उत्पीडन (787), यौन उत्पीडन (116), दूसरी शादी (81), मोबाइल/साइबर से जुड़े अपराध (59), बाल विवाह (24), कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन (22), मानव तस्करी (12), दहेज हत्या (5) और अन्य (1,297) दर्ज किए गए। 2021-22 में 86 प्रतिशत दर्ज मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 2020-21 में यह 82 प्रतिशत था। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने आंकड़े और आबादी के आधार पर दावा किया है कि 2004 के मुकाबले 2025 में अपराध में भारी गिरावट आयी है। लालू सरकार के काल खंड से तुलना करते हुए डीजीपी ने कहा कि 20-21 साल पहले सालाना 500-1000 फिरौती के लिए अपहरण के मामले दर्ज होते थे। अब यह आंकड़ा 50 के आसपास है। डकैती के मामलों में भी पहले 1200 से अधिक वार्षिक घटनाएं होती थीं, जो अब घटकर 150 के करीब पहुंच चुकी हैं। गौरतलब है कि बिहार पहले से ही भ्रष्टाचार को लेकर बदनाम रहा है। लालू सरकार के चारा और जमीन के बदले में रेलवे में नौकरी को लेकर लालू यादव जेल में हैं। नीतिश कुमार से उम्मीद थी कि बिहार में भ्रष्टाचार और अपराधों में सुधार होगा। किन्तु जिस तरह हथियारों की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे बिहार का भविष्य उज्जवल नजर नहीं आता।

-योगेंद्र योगी

महिला क्रूरता की घटनाएं व उनका समाधान

चर्चित समाचारों के मुताबिक देश में कुछ महिलाओं द्वारा अपने प्रेमियों के साथ साजिश करके कई पतियों की जीवनलीला खत्म करने की घटनाएं बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं। मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री इस तरह कि घटनाओं को लेकर चिंतित हैं। ऐसा क्यों हो रहा है कि आजकल न केवल कुछ पुरुष, बल्कि कुछ महिलाएं भी क्रूर व्यवहार का रास्ता अपनाती जा रही हैं। क्रूरता शारीरिक और मानसिक दोनों हो सकती है। जीवनसाथी को शारीरिक चोट पहुंचाना जैसे शरीर, अंग या स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाना या मृत्यु शारीरिक क्रूरता मानी जाएगी। अगर किसी व्यक्ति को एक या दो कामों से गंभीर चोट पहुंचती है तो उसे शारीरिक क्रूरता माना जाएगा। किसी व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाना, नाम पुकारना, व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बदनाम करना, झूठे आरोप लगाना, जीवनसाथी के साथ वैवाहिक संबंध बनाने से इनकार करना, मानसिक रूप से अस्वस्थ होना, व्यक्ति की सामाजिक और आर्थिक भलाई को खतरे में डालना मानसिक क्रूरता मानी जाएगी। किसी व्यक्ति के खिलाफ शारीरिक क्रूरता साबित करना अपेक्षाकृत आसान है, मानसिक क्रूरता साबित करना मुश्किल है और यह व्यक्ति की संवेदनशीलता और सामाजिक स्थिति के आधार पर अलग-अलग होता है।

क्रूरता, उत्पीडन, यातना और पीड़ा की अवधारणा हमारे समाज में लंबे समय से प्रचलित है। मनोविज्ञान के अनुसार हालात इत्यादि के चलते कुछ महिलाओं की सोच में प्यार की जगह नफरत, भरोसे ही जगह धोखा और साथ निभाने के बजाय रिश्तों को खत्म कर देने की सोच ने जन्म ले लिया है। बल्कि पिछले कुछ समय में ऐसे कई केस सामने आए हैं, जहां महिलाएं रिश्तों से उबरने की बजाय उन्हें खत्म करने का रास्ता चुन रही हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है स्ट्रेस, प्रेशर या अंदर दबी भावनाएं, नई-नई शादियों में जब ऐसा होता है तो इसके पीछे का कारण या तो ये होता है कहीं शादी जबरदस्ती कराई गई है या फिर उसका पति उसे पसंद नहीं है। ऐसे में महिलाओं के मन में बैठ जाता है कि उनकी पसंद और नापसंद को जरूरी नहीं समझा जा रहा है। ऐसे में वे क्रूर होने का रास्ता चुन लेती हैं। जब कोई महिला अपने पति की हत्या करवा देती है, तो क्या ये सिर्फ क्राइम है या कोई मानसिक बीमारी? मनोवैज्ञानिक मत है कि इसे सिर्फ क्राइम नहीं कहा जा सकता है। इसे दिमागी रूप से बीमार होना भी कह सकते हैं। ऐसे में महिलाएं अपनी भावनाओं और गुस्से को बैलेंस नहीं कर पाती हैं। और गुस्से में तो इनसान हमेशा गलत कदम ही उठाता है। इसके पीछे भी यही कारण है। हम एक और बात पर ध्यान दें। हालिया घटनाओं में अधिकतर मध्यम वर्ग की ऐसी महिलाएं हैं, जो छोटे शहरों से हैं। ये देखना इसलिए जरूरी है क्योंकि हमारे समाज के ढांचे में मध्यम वर्ग की महिलाओं पर ही सारे नियम लादे गए थे। वही सालों से दबी रही हैं। छोटे शहरों की ये महिलाएं सालों से बंधनों में बंधी रही हैं। अब सोशल मीडिया का एक्सेस हर किसी के पास है, इसमें सामाजिक स्तर का या छोटे शहरों का कोई कनेक्शन नहीं है। लेकिन इन महिलाओं ने अपनी माओं को, दादियों को मर्द प्रभावी समाज से शोषित होते हुए देखा है। ऐसे में ये वो पहली जनरेशन है जो इस सामाजिक दबाव से, बंधन से बाहर निकली है। तो ऐसे में अगर किसी गुस्सैल पर्सनैलिटी वाली लडक़ी ने पिता से उसकी मां को प्रताड़ित होते देखा है, तो उसके दिमाग में ये और भी ज्यादा पुख्ता हो जाता है कि 'मैं खुद के साथ ये हरगिज नहीं होने दूंगी।' ऐसे में कई बार 10 फीसदी बंधन पर भी वह ऐसे बर्ताव करती हैं जैसे उन्हें बुरी तरह दबा रखा है। मनोविज्ञान के मुताबिक यह क्षण उनके लिए असहनीय हो जाते हैं और क्रूरता को जन्म देते हैं।

ऐसे में क्रूरता के जन्म के लिए किसी महिला को जिम्मेवार ठहराना एकतरफा फैसला होगा। किसी भी रिश्ते में भरोसा एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। इसके साथ ही भरोसा जीतने में समय भी लगता है। आज के समय में रिश्ते मूड पर डिपेंड हो गए हैं। महिला हो या फिर पुरुष, ये भावना आ चुकी है कि मेरी मर्जी नहीं चलेगी तो रिश्ता भी नहीं चलेगा। मूड के वशीभूत होकर, महिला हो या पुरुष, कोई भी हो, समझौता करने के बजाय रिश्तों को तोडना ज्यादा पसंद करते हैं। आजकल बहुत लोग सोशल मीडिया पर रील्स देखकर ही उसे अपनी लाइफ मान लेते हैं। वे अपने रिश्तों की तुलना रील से करने लगते हैं और घर से बाहर सुख तलाशना शुरू कर देते हैं। पुरुष भी इसका अपवाद नहीं है। अंत में कुछ महिलाओं में नशे की आदत भी बहुत बढ़ गई है। शराब, स्मोकिंग, ड्रग्स आदि का इस्तेमाल अब कुछ महिलाओं में भी बहुत ज्यादा पिछले कुछ सालों में बढ़ा है। इस तरह की लत भी महिला क्रूरता की वजह बनती है। क्या ऐसे व्यवहार को नियंत्रित किया जा सकता है। महिलाओं के ऊपर क्रूरता को लेकर कुछ पुरुष भी कम नहीं होते। हर रोज महिलाओं को थप्पड़ों, लातों, पिटाई, अपमान, धमकियों, यौन शोषण और अनेक अन्य हिंसात्मक घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इन सबके बावजूद हमें इस प्रकार की हिंसा के बारे में अधिक पता नहीं चलता है, क्योंकि शोषित व प्रताड़ित महिलाएं इसके बारे में चर्चा करने से घबराती, डरती व झिझकती हैं। महिला को चोट पहुंचाने के लिए पुरुष अनके बहाने दे सकता है, जैसे कि वह शराब के नशे में था, वह अपना आपा खो बैठा या फिर वह महिला इसी लायक है। परंतु वास्तविकता यह है कि वह हिंसा का रास्ता केवल इसलिए अपनाता है क्योंकि वह केवल इसी के माध्यम से वो सब प्राप्त कर सकता है, जिन्हें वह एक मर्द होने के कारण अपना हक समझता है।

महिला पर पुरुष क्रूरता को लेकर मनोविज्ञानी बताते हैं कि वास्तविक परेशानी को पहचानने या उसका कोई व्यावहारिक समाधान ढूंढने के बजाय, पुरुष हिंसा का सहारा लेकर असहमति को जल्दी से समाप्त करना चाहते हैं। किसी पुरुष को लडऩा बेहद रोमांचक लगता है और उससे उसे नई स्फूर्ति मिलती है। वह इस रोमांच को बार-बार पाना चाहता है। अगर कोई पुरुष हिंसा का प्रयोग करता है कि वह जीत गया है और अपनी बात मनवाने का प्रयत्न करता है, हिंसा की शिकार, चोट व अपमान से बचने के लिए, अगली स्थिति में, उसका विरोध करने से बचती है। ऐसे में पुरुष को और भी शह मिलती है। अगर पुरुष यह मानता है कि मर्द होने का अर्थ है महिला के ऊपर पूरा नियंत्रण होना, तो हो सकता है कि वह महिला के साथ हिंसा करने को भी उचित माने। कुछ पुरुष यह समझते हैं कि मर्द होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक है, जैसे कि अच्छी पत्नी, बेटों की प्राप्ति, परिवार के सारे फैसले करने का हक। यदि महिला सशक्त है तो पुरुष को यह लग सकता है कि वह उसे खो देगा या महिला को उसकी जरूरत नहीं है। वह कुछ ऐसे कार्य करेगा जिससे महिला उस पर अधिक निर्भर हो जाए। ऐसा व्यवहार भी एक महिला को क्रूररता के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर कर सकता है। इसके लिए पुरुषों को भी आत्म-विश्लेषण करने की जरूरत है।

डा. वरिंद्र भाटिया,
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष दशमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धनार्जन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। वाणी पर विराम लगाएं या वाणी पर थोड़ा सा रोक लगा करके बोलें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सितारों की तरह चमकेंगे। जो चाहेंगे वो होगा। जिस चीज की जरूरत होगी, उसकी उपलब्धता होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे मिलेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। और सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी लेकिन गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन और खरीदारी का योग बनेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा हो गया है। प्रेम, संतान का साथ है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य साथ देगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी मस्त, ग्रामीण परेशान

शाहदरा गांव की जर्जर गली, लोगों की हो रही दुर्गति

डीजीएम (सिविल) को भी दी जा चुकी है शिकायत, कार्यवाही नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां लगातार सड़कों और गलियों को दुरुस्त कराने के निर्देश दे रहे हैं, वहीं नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी जमीनी स्तर पर इन निर्देशों को गंभीरता से लेते नहीं दिख रहे।

सेक्टर-142 स्थित शाहदरा गांव की गली नंबर 5 बीते कई महीनों से बुरी तरह जर्जर पड़ी है। इस गली से रोज़ाना हज़ारों लोग आवाजाही करते हैं, लेकिन सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि न तो वाहन चल सकते हैं और न ही पैदल चलना सुरक्षित है। स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। भारतीय जनता पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के प्रदेश सचिव पिंकी पंडित ने बताया कि इस गली को दुरुस्त कराने के लिए कई बार शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन देकर मामले को टाल दिया जाता है।

श्री पंडित ने जानकारी दी कि प्राधिकरण के डीजीएम (सिविल) विजय रावल को भी इस बारे में कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उन्होंने भी मामले को नजरअंदाज़ करते हुए सिर्फ यह कहकर टाल दिया कि मामले को देखा जाएगा। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि गली की मरम्मत शीघ्र नहीं कराई गई, तो वे विरोध प्रदर्शन और आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

पिंकी पंडित ने कहा कि अब इस मुद्दे को सीधे मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराया जाएगा और नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) से भी तत्काल हस्तक्षेप की मांग की जाएगी।

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही

टूटे पोल, झूलते तार, हादसे को दावत

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के सबसे विकसित कहे जाने वाले जिलों में गौतमबुद्धनगर में बिजली विभाग की लापरवाही अब लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। आये दिन हो रहे हादसे और टूटी-झुकी बिजली लाइनें और पोल अब क्षेत्रवासियों के लिए जान का खतरा बन गए हैं।

सेक्टर-80, फेज-2 के ए-ब्लॉक 142 के पास रास्ते में एक बिजली का पोल कई महीनों से झुका हुआ है। बारिश के मौसम में यह कभी भी गिर सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है। इस रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों कर्मचारी और स्थानीय नागरिक गुजरते हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है।

इसके, बावजूद बिजली विभाग के कर्मचारी इसे रोज़ाना देखते हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब सवाल उठता है कि क्या विभाग किसी बड़ी दुर्घटना के इंतज़ार में है?

जिले में हुई कई गंभीर विद्युत घटनाएँ

- **27 मई 2025** को ग्रेटर नोएडा के अंसल गोल्फ लिंक-2 में इलेक्ट्रीशियन जयदेव की करंट लगने से मौत हो गई थी, जब वह एक सोसाइटी में पैनल बॉक्स की मरम्मत कर रहा था।
- **25 जून 2025** को ग्रेटर नोएडा के एक औद्योगिक क्षेत्र में 11 केवी लाइन का केबल टूटकर गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।
- **30 जून 2025** को दनकौर के दौला रजपुरा गांव में एक किसान सतीश की खेत में करंट से मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। खेत में भरे पानी में ट्रांसफार्मर से करंट उतर आया था।

सेक्टर-151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में कल पूरे 12 घंटे विद्युत आपूर्ति ठप रही।

शिक्षा के मंदिरों पर ताला लगा रही है सरकार : आप

प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के विरोध में 'आप' का प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के निर्णय के खिलाफ आम आदमी पार्टी, गौतमबुद्धनगर ने विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसका नेतृत्व जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने किया।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर सरकार गांव-गांव शराब की दुकानें खोल रही है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा के मंदिरों पर ताले लगा रही है। आम आदमी पार्टी यह अन्याय किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकारें सरकारी स्कूलों को

अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचा सकती हैं, तो उत्तर प्रदेश में भी शिक्षा को प्राथमिकता दी जा सकती है जरूरत है तो सिर्फ राजनीतिक इच्छाशक्ति की। दुर्भाग्यवश, योगी सरकार के पास न नीति है, न नीयत।

प्रदर्शन के दौरान पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया को ज्ञापन सौंपते हुए यह मांग की कि 16 जून 2025 को जारी शासनादेश को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष पंकज अवाना ने भी सरकार के इस फैसले का विरोध किया।

प्रदर्शन में जिला महासचिव कैलाश शर्मा, संगठन मंत्री प्रशांत रावत, दीप बेलवाल, जिला उपाध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, जिला सचिव विजय श्रीवास्तव, जिला सचिव जयकिशन जयसवाल, जिला सचिव प्रवीन धीमान, ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष जतन भाटी, ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव परशुराम चौधरी, जिला कार्यकारिणी सदस्य सतीश गौतम, तरुण चौहान, विवेक सिंह, सिकंदर ठाकुर, शमशाद, राजकुमार चौधरी, राहुल,संदीप भाटी, धर्मेन्द्र प्रधान सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

9 जुलाई की हड़ताल को लेकर ग्रेटर नोएडा सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पार्टी फैसलों की रिपोर्ट व 9 जुलाई 2025 को होने वाली मजदूर वर्ग की हड़ताल को लेकर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी ग्रेटर नोएडा पार्टी सदस्यों की बैठक पार्टी जिला प्रभारी गंगेश्वर दत्त शर्मा की अध्यक्षता में सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पार्क में हुई।

बैठक को सीपीएम दिल्ली राज्य सचिव कामरेड अनुराग सक्सेना, जिला सचिव रामसागर, पार्टी कार्यकर्ता जोगेंद्र सैनी, रामस्वारथ, रामकिशन सिंह, टीकम सिंह, सुनील पंडित, सुखलाल, रंजीत तिवारी आदि ने संबोधित किया।

बैठक को संबोधित करते हुए माकपा राज्य सचिव कामरेड अनुराग सक्सैना ने केन्द्रीय कमेटी व राज्य कमेटी के फैसलों की रिपोर्ट रखी। साथ ही हड़ताल के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को रद्द करवाने, न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी सहित कई मांगों को लेकर ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर मेहनतकश वर्ग 9 जुलाई 2025 को देशव्यापी हड़ताल करने जा रहे हैं। हमारी पार्टी ने इस हड़ताल का पूर्ण रूप से समर्थन किया है और पार्टी के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए जी जान लगाकर अभियान में जुट जाए।

साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील किया कि 4 जुलाई 2025 को शाम 6 बजे अनमोल इंडस्ट्रीज उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा पर होने वाली आमसभा जिसे सीपीएम के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड एम ए बेबी संबोधित करेंगे उक्त सभा में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लेकर पहुंचने की अपील किया।

भाकियू (अजगर) की हुई समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाकियू (अजगर) की एक समीक्षा बैठक दनकौर में आहूत की गई। जिसमे संगठन की नींव रखने वाले जिम्मेदार और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पूर्व की खामियों को दूर कर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरवीर नागर के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाई।

बैठक का संचालन कर रहे नीरज सरपंच नवादा ने बताया कि प्राधिकरण से पीड़ित और प्रभावित किसानों को इकट्ठा कर बहुत जल्द एक बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी। पहले भी भाकियू अजगर द्वारा यमुना क्षेत्र में सालारपुर अंडरपास के नीचे सबसे बड़ा आंदोलन जोकि लगातार 43 दिन-

रात चला जिसके परिणाम स्वरूप काफी दिनों से रुका हुआ 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा किसानो को मिलना शुरू हुआ। लेकिन किसानों का 10 प्रतिशत विकसित प्लाट अभी बाकी है इसके संदर्भ में संगठन क्षेत्र के किसानों की एक पंचायत बुलाकर बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा।

बैठक में बाबा सत्तन खटाना, धर्मवीर खटाना, मास्टर नेपाल कसाना, ब्रह्मपाल कसाना, प्रभु प्रधान, रजपाल भगत, चरत बीडीसी, नरेश चपरगढ़, इंद्रजीत प्रधान, जगदीश नंबरदार, केहर प्रधान, उधम नागर, कृष्ण भाटी, डॉक्टर इरफान, प्रवीन नागर, गिल्लू प्रधान उत्तम मूंजखेड़ा, जगत नागर, बंटी गुर्जर, गोविंदा, मकसूद, अकरम, सुबोध, मनोज सहित अनेको कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

Name change

This is to inform you that I, RAMESH UPADHYAY, S/O VISHNU DEV UPADHYAY, have changed my name to RAMESH KUMAR UPADHYAY S/O VISHNU DEV UPADHYAY, my correct Date of Birth is 18/10/1975, Going forward, I will be known on the name of RAMESH KUMAR UPADHYAY S/O VISHNU DEV UPADHYAY.

एक पेड़ माँ के नाम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वन महोत्सव के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से साइट 4 सुंदरीकरण के तहत पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। संगठन द्वारा जी 21-25 के सामने वाले मैदान में अमरूद, आंवला, आम, जामुन तथा अन्य उपयोगी पौधों को रोपित किया गया। संगठन से रविदत्त शर्मा, बजरंग गोयल, शिवकुमार शर्मा, अरुण गुप्ता, धौला सिंह, कमल गुप्ता, सुरेंद्र तायल, अतुल जैन व वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट नं.-1, सैक्टर के.पी.-4, ग्रेटर नौएडा सिटी, गौतमबुद्ध नगर-201308, उ.प्र.
ईमेल : authority@gnida.in वेबसाइट : www.greaternoidaauthority.in

पत्रांक: ग्रे0नौ0/प्राजेक्ट/वरि0प्रब0(तकनीकी)/2025/1970 दिनांक : 02 जुलाई, 2025

Expression of Interest (EOI)

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यकतानुसार सामुदायिक केन्द्र/बारातघरों के निर्माण, संचालन एवं अनुरक्षण (BOT आधार पर) हेतु प्रतिष्ठित फर्मों/एजेन्सियों से Expression of Interest (EOI) आमंत्रित किये जाते हैं। नियम व शर्तें प्राधिकरण की वेबसाइट: **http://www.greaternoidaauthority.in** एवं **http://etender.up.nic.in** पर दिनांक 04.07.2025 से उपलब्ध होंगे। प्राधिकरण में प्रस्ताव को प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 18.07.2025 है तथा प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण दिनांक 21.07.2025 को प्राधिकरण के सभाकक्ष में किया जायेगा।

महाप्रबन्धक (परियोजना)

Follow Us On OfficialGNIDA

उत्तर मध्य रेलवे

No. RS/Mech/RMPU trough/SS/PRYJ&CNB/25 दिनांकः 30.06.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है-

ई-निविदा सूचना संख्याः NCR-M-PRYJ-RMPU-05-25, **कार्य का नामः** प्रयागराज और कानपुर कोचिंग डिपो के LHB एसी कोच में FRP RMPU ट्रफ को हटाने और स्टेनलेस स्टील ट्रफ असेंबली की आपूर्ति और फिटमेंट।	
कार्य का अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 56,16,000/-	**बिड सिक्योरिटी:** ₹ 1,12,300/-
निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	**निविदा प्रपत्र का मूल्यः** ₹ शून्य
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः 30.06.2025	
निविदा बंद होने की तिथि : 23.07.2025	**कार्य की अवधि :** 18 माह

नोटः (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगा। (2) ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। (4) **न्यूनतम पात्रता मानदंडः इस निविदा में लागू है।** (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1143/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

ग्रामीणों ने लगाई मुख्य कार्यपालक अधिकारी से गुहार

नंगला चरणदास गांव में नालियों का पानी घरों में जा रहा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की लापरवाही के कारण नागला चरण दास गांव में बनी नालियां बज बजा रही हैं और

नालियों का पानी लोगों के घरों में जाने लगा है।

बताया जाता है कि बरसात से पहले नालियों की साफ-सफाई की जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण की होती है, लेकिन नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों ने नंगला चरण दास की किसी भी नाली की सफाई नहीं की, जिसके कारण हो रही बरसात का पानी नालियों में भर गया और वह पानी लोगों के घरों में जा रहा है।

एक तरफ नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अपने मातहत अधिकारियों को ज़मीनी स्तर पर उतरकर काम करने का निर्देश देते है, वहीं अधिकारी काम करने के बजाय कागजों पर लीपापोती कर देते है नंगला चरण दास गांव की गली नंबर 5 में स्थिति भयावह हो गई है। नालियों की स्थिति बदतर हो चुकी है। नालियों से निकल रही दुर्गंध से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है।

समाजसेवी तेजवीर शर्मा ने बताया कि इस मामले की शिकायत कई बार नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से की गई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अब इस मामले की शिकायत नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से की जाएगी। उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण की व्यवस्था चरमराने लगी है। उन्होंने कहा कि नालियों से निकलने वाली दुर्गंध से आसपास के रहने वाले लोगों का जीना दुश्वार हो गया है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

दनकौर में जल निकासी की व्यवस्था नहीं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दनकौर में नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था में पानी निकासी पूरी तरह से फेल हो गई है। यह मंजर धनौरी रोड का है। यहां पर पानी भरा रहता है। अब तो स्कूल भी खुल गए हैं। इसमें बच्चे स्कूल को जाते समय कई बार गिर भी चुके हैं और पैदल निकलने वालों का बुरा हाल है। नगर पंचायत का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। जब इस संबंध में नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी से बात की तो उनका जवाब था कि पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है दनकौर से बाहर।

खास खबर

एसबीआई ने आरकॉम के लोन को बताया फ्रॉड

मुंबई। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के लोन खाते को धोखाधड़ी करार दिया है। साथ ही बैंक ने कंपनी के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी रिलायंस कम्युनिकेशंस ने हाल ही में एक नियामकीय फाइलिंग के जरिए दी। एक रिपोर्ट के अनुसार 23 जून 2025 को भेजे गए एक पत्र में एसबीआइ ने कहा कि उसकी फ्रॉड आइडेंटिफिकेशन कमेटी ने आरकॉम के खाते को फ्रॉड घोषित करने का निर्णय लिया है। एसबीआइ ने यह फैसला रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड और अन्य समूह कंपनियों के जरिए संभावित फंड डायवर्जन और लोन शर्तों के उल्लंघन के आधार पर लिया है।

संभव स्टील ट्यूब्स का शेयर 34 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली। संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने निर्गम मूल्य के मुकाबले 34.26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.10 रुपये पर अपनी शुरूआत की। इसके बाद यह 35.23 प्रतिशत बढ़कर 110.89 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर संभव स्टील का शेयर 34.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,966.75 करोड़ रुपये रहा। संभव स्टील के 540 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन तक 28.46 गुना अभिदान मिला।

अमेरिकी ऊर्जा सचिव से ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर हुई चर्चा: जयशंकर

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट से मुलाकात की और गहरी द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका में हैं। जयशंकर ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच पर कहा, आज वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। भारत में चल रहे ऊर्जा परिवर्तन के बारे में बात की और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को और मजबूत बनाने के अवसरों के बारे में भी बात की।

पंजाब नेशनल बैंक में न्यूनतम बैलेंस की अनिवार्यता खत्म

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने मिनिमम बैलेंस की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। पंजाब नेशनल बैंक ने कहा है कि अब मिनिमम बैलेंस नहीं होने पर ग्राहकों से पेनल्टी नहीं वसूली जाएगी। पीएनबी का उद्देश्य है कि इस नियम को खत्म करते हुए ज्यादा से ज्यादा महिलाओं और कम आय वाले लोगों को भी बैंक से जोड़ा जा सके। इस बारें में बैंक प्रबंधन का कहना है कि इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। यानी ज्यादा से ज्यादा लोग बैंकिंग सेवाओं से जुड़ेंगे। इससे ग्राहकों को भी फायदा होगा। अब उन्हें अपने खातों में न्यूनतम बैलेंस बनाए रखने की फिक्र नहीं रहेगी।

यूरो के मुकाबले रुपये में रिकॉर्ड गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय मुद्रा रुपये में यूरो के मुकाबले जोरदार गिरावट दर्ज हुई है। 1 जुलाई 2025 को एक यूरो की विनिमय दर 100.70 रुपए पर पहुंच गई है। जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 89.60 रुपए थी। यानी एक वर्ष में 11.10 रुपए की गिरावट के साथ रुपये का 12.5% से अधिक अवमूल्यन हुआ है। इस गिरावट को भारतीय मुद्रा की बाहरी विनिमय नीतियों और यूरो की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया मात्र 2.3 रुपए कमजोर हुआ है। वही यूरो मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा 12.5 फीसदी गिर गई है। जिसका भारत पर बहुत बड़ा असर होने जा रहा है। डॉलर की ओर भारत सरकार और रिजर्व बैंक अत्यधिक केंद्रित दृष्टिकोण पर सवाल उठने लगे हैं।

इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों का समर्थन करता है भारत : निर्मला सीतारमण

एजेंसी

सेविले। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत समावेशिता और समानता को बढ़ाने के लिए मल्टीलेटेरल डेवलपमेंट बैंक (एमडीबी) सुधारों और निष्पक्ष क्रेडिट रेटिंग सिस्टम सहित इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों का समर्थन करता है। वित्त मंत्री सीतारमण ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट की चौथी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान तीसरी बैठक में कहा कि एमडीबी लेंडिंग दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही इसे मजबूत निगरानी फ्रेमवर्क में

- इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों से समावेशिता और समानता को मिलेगा बढ़ावा

लाना सुनिश्चित करना चाहिए ताकि फंड का सही इस्तेमाल हो सके। उन्होंने कहा कि हम टैक्स सिस्टम को आधुनिक बनाने और अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करते हैं। भारत के व्यापक कर सुधारों और कर प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन ने राजस्व में वृद्धि की है और अनुपालन लागत को कम किया है। हमारा मानना है कि विनियमन इनोवेशन और स्थिरता को बढ़ावा देता है। भारतीय वित्तीय प्रणाली खासकर एमएसएमई के लिए आसान ऋण और कम अनुपालन लागत के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देती है। हमने इंफ्रास्ट्रक्चर में स्टार्ट-अप और पीपीपी के लिए एक गतिशील इकोसिस्टम विकसित किया है। उन्होंने कहा कि लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाया है। हम साउथ-साउथ और त्रिकोणीय सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एफएफडी बैठकों के दौरान यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) की अध्यक्ष नादिया कैल्विनो से मुलाकात की। बैठक के दौरान, कई मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें भारत में ईआईबी के विस्तारित पोर्टफोलियो - सात मेट्रो परियोजनाएं और एक शहरी रेल परियोजना, जल और स्वच्छता जैसे अन्य क्षेत्रों में विविधता लाने जैसे मुद्दे शामिल थे।

यूनिवर्सिटी की उड़नदस्ता टीम ने वाईएनपी डिग्री कॉलेज परीक्षा केन्द्र का किया निरीक्षण

एजेंसी

अररिया। रानीगंज वाईएनपी डिग्री कॉलेज परीक्षा केंद्र का पूर्णियां विश्वविद्यालय पूर्णियां द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में प्रो. इस्तियाक अहमद तथा प्रो. हेमंत मिश्रा थे। उड़नदस्ता दल अचानक केंद्र पर पहुंचे और सीधे परीक्षा कक्ष में सघन जांच करने लगे। हालांकि कुलपति प्रो. विवेकानंद सिंह, कुलसचिव प्रो. अनंत प्रसाद गुप्ता तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. अरविंद वर्मा तथा उप परीक्षा नियंत्रक प्रो. संतोष कुमार सिंह के निर्देश के अनुसार परीक्षा में शुचिता बनाए रखने के लिए प्रधानाचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ अशोक कुमार आलोक तथा सहायक केंद्राधीक्षक डॉ नूतन आलोक तथा प्रो. सूयानंद सिंह के नेतृत्व में मुख्य प्रवेश द्वार पर परीक्षार्थियों से मोबाइल फोन, चिट पुर्जा ,इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, प्रतिबंधित सामग्रियों को रखवा कर प्रवेश करने दिया जाता है। उड़नदस्ता दल ने परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुभाष चंद्र सिंह तथा वीक्षकों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रधानाचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ अशोक कुमार आलोक के हवाले से सहायक केंद्राधीक्षक डॉ नूतन आलोक ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक प्रो.सुभाष चंद्र सिंह, प्रो. सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में प्रत्येक कक्ष में कई बार जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि पीपुल्स कॉलेज कॉलेज अररिया के फोर्थ सेमेस्टर 2023--27 की परीक्षा का केंद्र निर्धारित किया गया है। आज प्रथम पाली में एमजेसी छठी के विषय फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी, जूलॉजी मैथेमेटिक्स, कॉमर्स जियोलॉजी तथा होमसाइंस तथा द्वितीय पाली में एमजेसी छठी के विषय पॉलिटिकल साइंस, प्राचीन इतिहास, श्रम एवं समाज कल्याण, मानव शास्त्र, अर्थशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र और उर्दू विषय की परीक्षा हुई।

कोयला उत्पादन 16 फीसदी और डिस्पैच 13 फीसदी 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कोयला का रिकॉर्ड उत्पादन 15.57 मिलियन टन (एमटी) और डिस्पैच 17.31 मिलियन टन (एमटी) रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 16.39 फीसदी और डिस्पैच में 13.03 फीसदी की वृद्धि हुई है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में इस वृद्धि को भारत के कोयला बुनियादी ढांचे के निरंतर मजबूत होने को दशार्ते हुए खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग और खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग का परिणाम बताया है। मंत्रालय ने एक ग्राफ के जरिये बताया है कि उत्पादन और डिस्पैच (प्रेषण) आंकड़े लगातार साल-दर-साल बढ़ गए हैं, जो कोयला क्षेत्र के ठोस प्रदर्शन का संकेत देते हैं। कोयला उत्पादन देशभर में प्रमुख उद्योगों की ऊर्जा और कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्रालय के मुताबिक उत्कल ए खदान के लिए खदान खोलने की अनुमति प्रदान की गई, जिसकी अधिकतम निर्धारित क्षमता 25 मीट्रिक टन है। इस दौरान तीन कोयला ब्लॉकों के लिए स्वामित्व आदेश जारी किए गए, जिससे कोयला मंत्रालय से आवंटित कोयला ब्लॉकों की कुल संख्या 200 से अधिक हो गई। कोयला मंत्रालय ने कहा कि ये उपलब्धियां मंत्रालय के केंद्रित प्रयासों को रेखांकित करती हैं। घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ाना देने का मतलब आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

जान जोखिम में थी, फिर भी कमांडोज ने ड्यूटी चुनी : केन घोष

एजेंसी

मुंबई। जी स्टूडियोज और कॉन्टिलो पिक्चर्स द्वारा निर्मित अक्षरधामः ऑपरेशन वज्र शक्ति का ट्रेलर अपनी रॉ इंटेंसिटी और भावनात्मक गहराई के चलते दर्शकों का दिल छू रहा है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए भयावह आतंकी हमले और उसके बाद हुए बहादुर एनएसजी ऑपरेशन को पर्दे पर लेकर आती है। यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को देशभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मुख्य भूमिका में अक्षय खन्ना हैं, उनके साथ गौतम रोडे और विवेक दहिया भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का निर्देशन केन घोष ने किया है और इसे अभिमन्यु सिंह ने निर्मित किया है। ट्रेलर को इसके यथार्थवादी एक्शन, भावनात्मक बलिदान और देशभक्ति से भरपूर ट्रीटमेंट के लिए खूब सराहा जा रहा है। निर्देशक केन घोष ने कहा, कमांडोज की बहादुरी, उनका निःस्वार्थ साहस, ये जानकर कि उनकी जान खतरे में है, फिर भी वो देश के लिए बलिदान को तैयार थे, यह सब कुछ बेहद भावुक कर देने वाला था। जैसे-जैसे रिलीज की तारीख करीब आ रही है, अक्षरधामः ऑपरेशन वज्र शक्ति सिर्फ एक देशभक्ति से भरी फिल्म नहीं, बल्कि भारत के अनकहे नायकों को समर्पित एक सच्चा सम्मान बनती जा रही है।

आईपीओ के बाद भी एचडीबी फाइनेंशियल को जारी रहेगा समर्थन : सीईओ

एजेंसी

मुंबई। एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने बुधवार को कहा कि बैंक अपनी अनुषंगी कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज को शेयर बाजार पर सूचीबद्ध होने के बाद भी समर्थन देना जारी रखेगा। एचडीबी फाइनेंशियल के 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को एक कठिन लेनदेन बताते हुए कहा कि यह एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रवर्तित गैर बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) के लिए ऐतिहासिक दिन है। एचडीबी का शेयर बुधवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुआ। सूचीबद्धता से पहले जगदीशन ने कहा कि आईपीओ कंपनी को अपने वृद्धि पथ को तेज करने के लिए स्वतंत्र पूंजी और दृश्यता प्रदान करेगा। हम एचडीबी का समर्थन करना जारी रखेंगे क्योंकि यह सार्वजनिक बाजार के अवसरों और चुनौतियों का सामना करता है। एचडीबी देश में कम सेवा वाले ऋण खंडों द्वारा अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है, जो एक बड़ा रनवे देता है। ऐसा करने के लिए कंपनी के पास मजबूत बुनियादी बातें हैं। निजी क्षेत्र में परिसंपत्तियों के लिहाज से सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में एनबीएफसी का पोषण किया है।

एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की तैयारी में महिंद्रा

- महिंद्रा एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट की भी टेस्टिंग जारी है जिसमें फ्रंट डिजाइन में बड़े बदलाव और केबिन में अहम अपडेट की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा हर महीने सेल्स के नए रिकॉर्ड बना रही है। महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवीएस जैसे बीई6 और एक्सईवी 9ई भी शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। इसी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए महिंद्रा अगले 6 से 12 महीनों में अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की तैयारी में है। कंपनी जहां हाइब्रिड सेगमेंट में एंट्री की योजना बना रही है, वहीं इंटरनल कम्बशन और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मौजूदा लाइनअप में भी बड़े बदलाव और नए मॉडल जोड़े जाएंगे। इसके तहत महिंद्रा बोलेरो न्यू जेन की लॉन्चिंग की तैयारी है जो बिल्कुल नए लैडर-फ्रेम प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। इसे अगस्त में इंडिपेंडेंस डे के आसपास पेश किया जा सकता है। इसके अलावा थार 3-डोर फेसलिफ्ट भी टेस्टिंग के दौरान नजर आई है। इसमें नए हेडलैंप, संशोधित बंपर और नए अलॉय व्हील्स के साथ साथ केबिन में भी कई अपमार्केट बदलाव देखने को मिल सकते हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट की भी टेस्टिंग जारी है जिसमें फ्रंट डिजाइन में बड़े बदलाव और केबिन में अहम अपडेट की उम्मीद है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में कंपनी की महत्वाकांक्षी योजना एक्सईवी 7ई पर भी काम चल रहा है, जो इंग्लो प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और बीई 6 जैसी स्टाइलिंग होगी। इसका डेब्यू इस फाइनेंशियल ईयर के अंत तक हो सकता है। वहीं, एक्सयूवी 3एक्सड ईवी भी लगातार टेस्टिंग में नजर आ रही है और इसके 450 किमी तक की रेंज का दावा किया जा सकता है।

भारतीय ग्राहकों का किआ के सभी मॉडल्स को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

नई दिल्ली। किआ कंपनी के लगभग सभी मॉडल्स को भारतीय ग्राहकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इन मॉडलों में सोनेट और सेल्टोस ने खासतौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। कंपनी अब कई नए मॉडल्स को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इनमें कुछ मौजूदा पॉपुलर कारों के अपडेटेड वर्जन भी शामिल होंगे और साथ ही इलेक्ट्रिक मॉडल्स भी पेश किए जाएंगे। कंपनी की आने वाली गाड़ियों में सबसे ज्यादा चर्चा किआ कैरेंस क्लैविस ईवी की है। यह मोस्ट-अवेटेड इलेक्ट्रिक एमपीवी 15 जुलाई को भारतीय बाजार में पेश की जाएगी। इसमें 450 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है।

यूनिक्स ने लांच किए जेड2 ब्लूम ईयरबड्स एएनसी और 40 घंटे की प्लेटाइम के साथ

एजेंसी

मुंबई। भारत के प्रमुख मोबाइल एक्सेसरीज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स में से एक यूनिक्स ने अपने नवीनतम टू वायरलेस स्टीरियो ईयरबड्स - Z2 ब्लूम लॉन्च किए हैं। आधुनिक डिजाइन और पर फॉर्मेंस का संयोजन करते हुए, हल्के वजन वाले Z2 ब्लूम एक्टिव नॉइज कैंसलेशन, HD साउंड क्वालिटी, और कुल 40 घंटे की प्लेटाइम की सुविधा दी गई है, जिससे यह प्रीमियम लेकिन किफायती ऑडियो सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनता है।

Z2 ब्लूम मॉडल एक आकर्षक व्हाइट फिनिश में उपलब्ध होगा और इसे यूनिक्स और कम्पोजिट मेम्ब्रेन ANC स्पीकर के साथ इंजीनियर किया गया है। ईयरबड्स के साथ आने वाला 300mAh के सबैटरी उन्हें कम से कम चार बार चार्ज कर सकता है, जिससे उपयोग कर्ता एक बार चार्ज करके औसतन एक हफ्ते तक इनका उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा, ईयरबड्स में सहज स्पर्श नियंत्रण दिए गए हैं, जिससे ये चलते-फिरते उपयोग के लिए सुविधाजनक और आसान बन जाते हैं। Z2 ब्लूम में नवीनतम ब्लूटूथ v5.4 दिया गया है, जोस्मूदक ने क्विविटी सुनिश्चित करता है। इसमें लगा 13mm स्पीकर ड्राइवर इमर्सिव ऑडियो क्वालिटी प्रदान करता है। इसके साथ ही, इसमें टडर IC सुरक्षा शामिल है।

डीडीसी ने की चुनावी तैयारी की समीक्षा

अररिया। जिले की सिकटी विधानसभा की निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त रोजी कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को सहायक निवार्ची पदाधिकारी के साथ निर्वाचन संबंधी कार्यों समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पुनरीक्षण प्रपत्र का वितरण की स्थिति, मतदाताओं से प्रपत्र वापसी लेने की स्थिति एवं बीएलओ ऐप पर फॉर्म अपलोड करने, मतदान केंद्र युक्तिकरण का कार्य आदि की समीक्षा की गई। डीडीसी द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य संपन्न कराने सहित कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। सभी बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर के कार्यों की दैनिक समीक्षा करने के भी निर्देश दिये गये।

एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से अधिक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख बैंकों में से एक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा कि वर्तमान में उसका वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 1.1 प्रतिशत और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 16 प्रतिशत योगदान है। एसबीआई की बैलेंस शीट का आकार 175 देशों की जीडीपी से भी अधिक है। बैंक ने बताया कि सभी सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन में अब बैंक की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) में एसबीआई ने 15 करोड़ खाते खोले हैं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 14.6 करोड़ लोगों का पंजीकरण किया है। वहीं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 6.7 करोड़ और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में 1.73 करोड़ लोगों को नामांकित किया है। एसबीआई के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में बैंक का सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लाभ में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। वहीं कॉर्पोरेट आयकर (वित्त वर्ष 2026) में 2.53 प्रतिशत का योगदान था। बैंक ने कहा कि अगर एसबीआई देश होता तो 52 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के साथ अमेरिका की आबादी से भी बड़ा और पृथ्वी पर तीसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होता।

पृष्ठ एक के शेष....

मुस्लिम धर्म अपनाने...

की घर वापसी कराई गई है। उनमें पल्लवी, मन्नत आब्दी, हरजीत कश्यप बलरामपुर, मालती सिद्धार्थनगर, संचित, गौतम, रामनरेश मौर्य बलरामपुर, नरेंद्र मिश्रा, हरजीत सिंह, मूर्ति देवी बलरामपुर, मानवी शर्मा (जैनब) औरैया, सोनू और रानी सहारनपुर, रीना मुरादाबाद शामिल हैं।

रॉंग साइड से आ रहे...

कि बाइक पर सवार चार बच्चों समेत पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। ट्रक का चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टक्कर मारने वाले कैंटर को जब्त कर लिया गया है। हादसा थाना हाफिजपुर के पक्की चौकी क्षेत्र में हुआ।

सीओ अनीता सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी को अस्पताल ले जाया गया, यहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कैंटर को जब्त कर लिया है, साथ ही आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस का खेल...

संख्या यूपी-16 सीजे 5972 के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र सुनवाई के पश्चात थाना दादरी पुलिस को दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रेनो में खुल सकता है वेस्टर्न सिडनी विवि का कैंपस

ग्रेटर नोएडा। देश के छात्रों को वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय से तमाम कोर्सेज व रिसर्च करने का अवसर ग्रेटर नोएडा में ही मिल सकता है। वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय का एक कैंपस ग्रेटर नोएडा एरिया में खोलने की तैयारी है। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया का एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर नोएडा पहुंचा। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर विश्वविद्यालय का एक कैंपस खोलने की इच्छा जाहिर की। प्राधिकरण भी विश्वविद्यालय का कैंपस खोलने के लिए जगह देने पर राजी है। दोनों पक्षों की तरफ से फाइनल निर्णय जल्द होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल में ऑस्ट्रेलियाई मंत्री व परामर्शदाता (शिक्षा और अनुसंधान) ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग जॉर्ज थिवोस, नैथनियल वेब, प्रथम सचिव (शिक्षा और अनुसंधान), ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के डिप्टी वॉइस चांसलर और सीओओ बिल पैरासिरिस, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मैरिओन जॉन्स, प्रोजेक्ट मैनेजर शुभम गुप्ता और लीड रिसर्चर कोलेबोरेशन एंड पार्टनरशिप साउथ एशिया कोपल चौबे, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में वरिष्ठ नीति सलाहकार (शिक्षा और अनुसंधान) अनु जैन शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल सुबह करीब 11.30 बजे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचा। प्राधिकरण की तरफ से एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव के अलावा ओएसडी एनके सिंह, महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह व अन्य अधिकारीगणों के साथ बैठक की। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय ने ग्रेटर नोएडा में कैंपस खोलने का प्रस्ताव रखा, जिस पर प्राधिकरण की तरफ से भी जगह उपलब्ध कराने के लिए

सहमति दी गई है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ एनजी रवि कुमार से मिलकर अपनी परियोजना से अवगत कराया। सीईओ ने कहा कि एजुकेशन हब के रूप में ग्रेटर नोएडा की खास पहचान है। यहां शिक्षा के क्षेत्र में बहुत स्कोप है। उद्यमियों की जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देकर युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने में वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने भी ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर को सराहा और जल्द ही फाइनल निर्णय लिए जाने की बात कही। एसीईओ की तरफ से प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को पौधे भी भेंट किए गए। वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय खुलने से यहां के युवाओं को डिग्री के साथ ही रिसर्च करने का सुनहरा अवसर मिल सकेगा।

खास खबर

23 की उम्र में मशहूर सिंगर का निधन

लंदन। मशहूर सिंगर जेह्युन उर्फ शिम जेह्युन का 23 साल की उम्र में निधन हुआ है। जेह्यु लंबे समय से ल्यूकेमिया नाम के कैंसर से जूझ रहे थे हालांकि सिंगर की इस बीमारी का किसी को पता नहीं था। उनके निधन की जानकारी उनके दोस्त बैंडमेट होजुन ने दी। इसके बाद से उनके फैंस और करीबी दोस्त उनकी फोटो शेयर कर भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं। किसी को यकीन ही नहीं हो पा रहा है कि इतनी छोटी उम्र में जेह्युन दुनिया छोड़कर चले जाएंगे। जेह्युन के करीबी दोस्त होजुन ने कहा कि मैंने बहुत देर बाद ये खबर सुनी। मुझे पछतावा है कि आपकी अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो पाया। कभी-कभी सोचता हूं कि मैं कुछ ठीक कर पाता। आपके जाने से काफी दुखी हूं। पिछले पांच साल में आपने मेरे लिए जो भी किया उसके लिए तहे दिल से शुक्रिया। जेह्युन साल 2020 में पॉप ग्रुप शामिल हुए थे। इसमें वे पांच सदस्यों में से एक थे।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

बहराइच। बहराइच जिले की एक अदालत ने एक 11 साल की नाबालिग दलित बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह जानकारी बुधवार को अधिकारी ने दी। पॉक्सो अधिनियम मामलों की विशेष अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीपकांत मणि ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए दोषी पर एक लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि जुमार्ना राशि पीड़िता को उसके चिकित्सा खर्च के लिए दी जाएगी। एसपी ने बताया कि कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव आराजीजोत केशव निवासी कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा के घर पर 19 अप्रैल 2024 को शादी का कार्यक्रम था जहां साफ-सफाई के लिए उसने दलित बच्ची को बुलाया था। उन्होंने बताया कि इस दौरान कृष्ण मुरारी ने बच्ची से दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर 22 अप्रैल 2024 को आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पूर्व पुलिस हेड कांस्टेबल को 10 साल की सजा

पाकयोंग। सिक्किम के पाकयोंग जिले की एक विशेष अदालत ने नशीले पदार्थों से जुड़े एक गंभीर मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पूर्व पुलिस हेड कांस्टेबल पेम शेरिंग भूटिया को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने भूटिया पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अदालत ने यह सजा सिक्किम नशीले पदार्थ रोधी अधिनियम (साडा) के तहत दी है। भूटिया को 2021 में व्यावसायिक उद्देश्य से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ रखने का दोषी पाया गया था। फैसले के बाद पाकयोंग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पारू रुचल ने कहा कि यह फैसला एक सख्त और स्पष्ट संदेश देता है– कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वह आम नागरिक हो या कोई पुलिसकर्मी। उन्होंने आगे कहा, कि पुलिस बल का कोई भी सदस्य यदि मादक पदार्थों से संबंधित किसी अपराध में शामिल पाया जाता है, तो उसे भी आम अपराधियों की तरह ही सख्त कानूनी सजा का सामना करना होगा।

हिमाचल में बारिश और बाढ़ से 10 की मौत, कई लापता

- 333 लोगों का किया गया रेस्क्यू, दर्जनों घरों को पहुंचा नुकसान

एजेंसी

मंडी। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और फ्लैश फ्लड से 10 लोगों की मौत हो गई है वहीं मंडी जिले के 34 लोग लापता बताए जा रहे हैं। आपदा प्रबंधन ने बुधवार सुबह नुकसान की रिपोर्ट जारी की है। जानकारी के मुताबिक चंबा, मंडी और हमीरपुर से कुल 333 लोगों का रेस्क्यू किया गया। कुल 24 घर, 12 गोशालाएं और 30 पशुओं की जान चली गई। प्रदेश में एक बार फिर से मौसम विभाग ने भारी से भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। पांच जिला में अत्यधिक बारिश होने की सूचना दी गई है. जिसमें लोगों को सचेत रहने को कहा गया है। इन जिलों के कुछ इलाकों में फ्लैश फ्लड आने की संभावना है। मंडी के गोहर के स्यांज में 2 मौतें, बड़ा गोहर में 2, करसोग पुराना बाजार में 1 मौत, थुनाग में 1, धार जरोल 1, गोहर के तलवाड़ा में 1 और जोगिंदनगर में 1 मौत होने की रिपोर्ट है। बुधवार को हल्की धूप निकली और प्रशासन बगस्याड से आगे रोड खोलने में जुटा है। उधर मंडी के सराज में भारी तबाही हुई है, लेकिन यहां पर कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बिजली, पानी, मोबाइल नेटवर्क और रोड बंद हैं। जानकारी के मुताबिक मंडी जिले के तीन उपमंडलों गोहर, करसोग और धर्मपुर में कई स्थानों पर बादल फट गए। सदर मंडी में जलभराव व भारी बारिश, बालीचौकी और थुनाग क्षेत्र में बाढ़ की घटनाएं हुई हैं। मंडी जिले में जगह-जगह फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया। मंडी शहर में जलभराव के कारण फंसे लोगों को विपाशा सदन और गुरुद्वारा में स्थापित राहत शिविरों में लाया गया। मंडी-मनाली नेशनल हाईवे के बीच सुरंग संख्या 11 व 13 के समीप भूस्खलन के कारण फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। लोगों को ब्रेड, बिस्किट व पानी इत्यादि उपलब्ध कराया जा रहा है। मंगलवार शाम पांच बजे तक प्राप्त सूचना के मुताबिक जिला में अभी तक पांच लोगों की मृत्यु की पुष्टि हुई है। आपदा में लापता 15 अन्य लोगों की तलाश के लिए बचाव कार्य जारी है। बादल फटने की घटना के बाद गोहर उपमंडल के स्यांज में एनडीआरएफ की मदद राहत और बचाव कार्यों में जुट गई है साथ ही एसडीआरएफ की टीम भी तैनात की गई है। थुनाग क्षेत्र में एसडीआरएफ की टीम भेजी गई है जबकि करसोग क्षेत्र में एनडीआरएफ की टीम ने राहत एवं बचाव कार्यों में मदद किया। धर्मपुर के लौंगणी में प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य उपमंडलों में भी स्थानीय प्रशासन ने भारी बारिश और भूस्खलन इत्यादि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य चलाए। गोहर के संयाज में दो परिवारों के कुल 9 लोग लापता हैं, जिसमें के दो शव बरामद हुए हैं। इसमें महिला की लाश मंडी के धर्मपुर के कांढापतन में मिली है। इन परिवारों की पहचान पदम सिंह (75), देवकू देवी (70), झाबे राम (50), पार्वती देवी (47), सुरमि देवी (70), इंद्र देव (29) उमावती (27) कनिका (9), गौतम (7) के रूप में हुई है। हिमाचल प्रदेश राजस्व विभाग के विशेष सचिव दुनी चंद राणा ने बताया कि सबसे ज्यादा असर मंडी जिले में देखने को मिला है। मंडी में बादल फटने, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की कई घटनाएं हुईं, जिनमें अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 16 लोग लापता हैं। लापता लोगों की तलाश जारी है। पिछले 15 घंटों में आपदा प्रबंधन टीमों ने 287 लोगों का रेस्क्यू किया है। इस दौरान 10 रिहायशी मकान और 12 पशु शालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने आपातकालीन स्थिति में तुरंत संपर्क के लिए 1070 और 1077 नंबरों पर कॉल करने की अपील की है। वहीं हमीरपुर, ऊना, चंबा और मंडी से करी ब 287 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। हिमाचल में बारिश का दौर जारी, आज भी कई जिलों में बारिश का अलर्ट, आपदा प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य जारी हैं।

हाईवे पर कांवड़ियों से भरा ट्रक पलटा, तीन की मौत

एजेंसी

नई टिहरी। ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र के ताछला के पास बुलंदशहर (यूपी) से गंगोत्री जा रहे कांवड़ियों का ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीन कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हो गए। घायलों को पीएचसी फकोट में प्राथमिक उपचार के बाद 15 को हायर उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर और तीन गंभीर घायलों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए तत्काल राहत व उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।वन मंत्री सुबोध उनियाल ने नरेंद्रनगर अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल व एसएसपी आयुष अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया।नरेंद्रनगर के थानाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि बुधवार सुबह के वक्त ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर फकोट और जाजल के बीच ताछला में यूपी के सिकंदराबाद बुलंदशहर के कांवड़ियों का ट्रक संख्या यूपी 13-बीटी-8739 सड़क पर पलट गया। वे सभी कांवड़-भंडारा के लिए हर्षिल उत्तरकाशी जा रहे थे। वाहन में कुल 21 लोग सवार थे। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एक चार साल का बच्चा भी ट्रक के आगे फंसा था। जिसको पुलिस ने सकुशल बाहर निकाला। दुर्घटना में ट्रक के नीचे दबने से तीन कांवड़ यात्रियों - विक्की (27) पुत्र महेंद्र, सुनील सैनी (42) पुत्र मील चंद और संजय सिंह (46) पुत्र राम सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जो सैनियों की बड़ी चौपाल, मोहल्ला कास्तवाडा, जिला बुलंदशहर, सिकंदराबाद, यूपी के निवासी थे। इस दुर्घटना में ईश्वर सैनी (49) पुत्र फूल सिंह सैनी, अतर सिंह (60) पुत्र यादराम, रवि (30) पुत्र अतर सिंह, कुलदीप गिरी (35) पुत्र मुकेश, जम्मन सिंह (70) पुत्र बुद्ध, बनवारी लाल (55) पुत्र किशनलाल, मुकेश (59) पुत्र मुरारी लाल, प्रेम सिंह (50) पुत्र सोहन, जुगनू (35) पुत्र देवी सिंह, तुषार (17) पुत्र सुनील प्रजापति, भजन लाल (45) पुत्र बाबूलाल, लेखराज (40) पुत्र गोपी सिंह, टिंकू (29) पुत्र रुद्रप्रकाश, मूलचंद (40) पुत्र लक्ष्मण, राहुल पुत्र किंचित, नकुल (4) पुत्र राहुल, बिशन (34) पुत्र देशराज, विनीत शामिल हैं।

ईडी दिल्ली में कई स्थानों पर मारे छापे

नई दिल्ली। ईडी ने चीनी नागरिक और कुछ अन्य लोगों द्वारा 900 करोड़ रुपए से ज्यादा की साइबर धोखाधड़ी करने से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत बुधवार को दिल्ली में कई स्थानों पर छापे मारे। ईडी ने इस धोखाधड़ी की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शिनदाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के खिलाफ जांच के सिलसिले में दिल्ली में पांच जगह तलाशी ली। आरोप है कि कंपनी ने निवेश के नाम पर आम लोगों को धोखा दिया और पूर्ण मुद्रा परिवर्तक का इस्तेमाल कर-के धन शोधन किया गया।

न्यूयॉर्क है दुनिया के अरबपतियों की राजधानी, भारत में मुंबई

एजेंसी

मुंबई । फोबर्स की 2025 की वल्डर्स बिलियनर्स की लिस्ट के अनुसार न्यूयॉर्क में सबसे ज्यादा दुनिया भर के बिलियनर्स रहते हैं। न्यूयॉर्क बिलियनर्स की राजधानी का सबसे बड़ा शहर बन गया है।यहां पर 123 बिलियनर्स रहते हैं। पिछले 12 सालों में न्यूयॉर्क में ज्यादातर बिलियनर्स यहां रहने के लिए आए हैं। 2021 में इस दौड़ में बीजिंग केवल एक बार आगे आया था। भारत की बात करें, तो अरबपतियों की संख्या के मामले में मुंबई, फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पूंजी की उपलब्धता और अरबपतियों की मौजूदगी के लिए जानी जाती है। भारतीय बिलियनर्स के लिए मुंबई सबसे पसंदीदा शहर है। यहां पर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और देश की कई बड़ी कंपनियों के हेड ऑफिस हैं। भारतीय कारोबारी अंबानी, बिरला, गोदरेज, पिरामल जैसे बिजनेस परिवार कई पीढियां से मुंबई में रहते हैं। मुंबई में हाल ही में एनर्जी और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के नए अरबपति भी मुंबई को पसंद कर रहे हैं। मुंबई में 67 अरबपति परिवार रहते हैं। जिनकी कुल संपत्ति 349 अरब डॉलर की है। यह दुनिया का सबसे धनी शहर माना जाता है। भारत में इसके बाद दिल्ली और बेंगलुरु का नंबर आता है।

एससीओ में चीन की चाल से क्वाड देश सहमत नहीं, दिया करारा जवाब

एजेंसी

वाशिंगटन। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में चीन ने भले ही आतंकवादियों और उसके पनाहगाह को बचाने के लिए ताकत लगा दी हो लेकिन दुनिया उसकी चाल से सहमत नहीं। क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में पहलगाम टेरर अटैक का उल्लेख हुआ और इसके जिम्?मेदारों को न्याय के कठघरे तक लाने की एक सुर में मांग उठी। हाल में ही चीन में एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद तैयार ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम अटैक का उल्?लेख नहीं किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त बयान पर हस्?ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। अब भारत ने चीन को करार जवाब दिया है। इंटरनेशनल लेवल पर क्वाड का ज्वाइंट स्टेटमेंट भारत के लिए बड़ी डिप्लोमेटिक विन है। साथ ही पाकिस्तान और उसके दोस्त चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ज्वाइंट स्टेटमेंट में कहा गया कि क्वाड सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की निंदा करता है और आतंकवाद विरोधी सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

5 महीने बाद पेट में मिला चम्मच

बीजिंग। शराब के नशे में की गई लापरवाही चीन के एक शख्स को बड़ी भारी पड़ गई। जनवरी 2025 में थाईलैंड यात्रा के दौरान यान नाम का युवक शराब के नशे में इतना बेखबर हो गया कि उसने अनजाने में एक 15 सेंटीमीटर लंबा सेरेमिक चम्मच निगल लिया। शराब के नशे में यान को इस बात का एहसास तब तक नहीं हुआ, जब तक हाल ही में पेट में तेज दर्द नहीं होने लगा। पांच महीने बाद जब यान डॉक्टर के पास पहुंचा और स्कैन कराया, तब रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि उसके पेट में चम्मच मौजूद था। जिसके कारण उस दर्द हो रहा है। डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन कर चम्मच निकाला।

भारत में सालाना 6.8 करोड़ टन खाना फेंका जाता है : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । एशिया में खादय अपशिष्ट के मामले में चीन पहले नंबर पर है जहां हर साल करीब 9.1 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है। इसके बाद भारत का स्थान आता है जहां सालाना लगभग 6.8 करोड़ टन खाना फेंका जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की ताजा रिपोर्ट में एशिया में खाद्य अपशिष्ट को लेकर चिंताजनक स्थिति उजागर हुई है। इस आंकड़े के साथ भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। यह स्थिति उस वक्त और भी गंभीर नजर आती है जब देश में करोड़ों लोग गरीबी और भूख का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत की कुल खाद्य आपूर्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा उपभोग से पहले ही खराब या बर्बाद हो जाता है। यह सप्लाई चेन की कमजोरियों, भंडारण की समस्याओं और वितरण व्यवस्था की खामियों को भी उजागर करता है। संयुक्त राष्ट्र ने इस स्थिति को वैश्विक संकट बताते हुए चेताया है कि खाद्य अपशिष्ट न केवल नैतिक और सामाजिक चुनौती है बल्कि इसका पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ पड़ता है। खराब या बर्बाद हुआ भोजन केवल संसाधनों की बबार्दी नहीं है बल्कि इसके उत्पादन में इस्तेमाल पानी, जमीन और ऊर्जा का अपव्यय भी है। साथ ही यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी बढ़ाता है। भारत सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन इस चुनौती से निपटने के प्रयासों में जुटे हैं। ह्यजीरो फूड वेस्ट जैसी पहलों के तहत कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और विवाह आयोजनों से बचा हुआ भोजन गरीबों तक पहुंचाने की योजनाएं बनाई गई हैं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि इन प्रयासों को सफल बनाने के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना, सख्त कानूनी प्रावधान लागू करना और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना जरूरी होगा। भारत में फिलहाल करीब 19 करोड़ लोग कुपोषण का सामना कर रहे हैं। ऐसे में खाद्य अपशिष्ट को रोकना सिर्फ एक प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी है, जिससे भूखमरी और कुपोषण जैसे संकटों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह समस्या केवल सरकारी नीतियों से नहीं सुलझेगी, इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

सीजफायर की शर्तों पर इजराइल ने जताई सहमति, हमास भी करें हस्ताक्षरः ट्रंप

एजेंसी

ह्यूस्टन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास से 60 दिन के संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने की अपील की है। ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव की जरूरी शर्तों पर इजराइल ने भी सहमति जताई है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- मुझे उम्मीद है कि मिडिल ईस्ट की भलाई के लिए हमास इस समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। इस दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे प्रतिनिधियों ने गाजा पर इजराइल के साथ लंबी बातचीत की। इसके साथ ही ट्रंप ने बताया कि कतर और मिस्र अंतिम

प्रस्ताव पेश करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक नए प्रस्ताव में हमास की कुछ चिंताओं को दूर करने की कोशिश की गई है। सीजफायर के दौरान फिलिस्तीनी कैदियों के बदले इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले सप्ताह ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि अगले एक सप्ताह में गाजा में सीजफायर हो सकता है, लेकिन उस समय उन्होंने और ज्यादा जानकारी नहीं दी थी। इससे पहले मंगलवार को ट्रंप ने कहा था कि वह ईरान और गाजा के मुद्दे पर अगले सोमवार को व्हाइट हाउस में नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने जनवरी 2025 में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। इसके बाद से यह नेतन्याहू का तीसरा व्हाइट हाउस दौरा होगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा था कि ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद अब इजराइल-हमास संघर्ष को खत्म करना ट्रंप की प्राथमिकता है।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके

काबुल। दक्षिण एशिया के कई देशों में बीते कुछ दिनों से बार-बार धरती हिल रही है। अफगानिस्तान, नेपाल, पाकिस्तान और तिब्बत में भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। कहीं हल्के तो कहीं मध्यम तीव्रता के भूकंप महसूस किए गए, जिससे लोग अपने घरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों की ओर भागते दिखे। अफगानिस्तान में आज बुधवार को 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के बाद लोगों में दहशत फैल गई और कई लोग घर छोड़कर बाहर निकल आए। सोमवार को भी अफगानिस्तान में 4.7 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे, जिनका असर पाकिस्तान और तजाकिस्तान के कुछ हिस्सों में भी देखने को मिला था।

जापानी वॉकिंग है फिट रहने की आसान तकनीक

एजेंसी

टोक्यो । सोचिए, अगर कोई ऐसी आसान फिटनेस तकनीक हो जिसमें न तो जिम जाना पड़े, न ही महंगे इक्विपमेंट की जरूरत हो और न ही अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कोई बड़ा बदलाव करना पड़े। बस जरुरत होती है आपकी चाल, आधा घंटा वक्त और थोड़ी सी लगन की। हाल में एक रिपोर्ट में जापान से आई जापानी वॉकिंग या इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग को ऐसी ही आसान और असरदार तकनीक बताया गया है। यह तकनीक जापान के शिंशु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिरोशी नोज और एसोसिएट प्रोफेसर शिजू मसुकी ने विकसित की। इसमें 3 मिनट तेज चाल से

चलना होता है और फिर 3 मिनट धीमी चाल से। इस चक्र को 6 बार दोहराया जाता है जिससे पूरा सेशन 30 मिनट का हो जाता है। तेज चाल का मतलब ऐसा चलना कि आप बातचीत तो कर सकें लेकिन जोर से गाना न गा पाएं। धीमी चाल वाली वॉक बिलकुल हल्की और आरामदायक होती है, जैसी मॉल में खिड़की शॉपिंग करते हुए होती है। जापान में हुए एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो लोग इस तकनीक से चलना शुरू करते हैं वे न सिर्फ वजन घटाते हैं बल्कि उनकी फिटनेस, ब्लड प्रेशर और सहनशक्ति में भी सुधार होता है। यहां तक कि बुजुर्गों के लिए भी यह तकनीक ताकत बनाए रखने में फायदेमंद साबित हुई। यह तकनीक कदमों की संख्या पर नहीं बल्कि उनकी गुणवत्ता पर ध्यान देती है। सिर्फ 10,000 कदम चलने से उतना फायदा नहीं मिलता अगर चाल में रफ्तार और ठहराव न हो। जापानी वॉकिंग इसी कमी को दूर करती है।

भूख से करीब 1 करोड़ 40 लाख लोगों की हो जाएगी मौत

- रिपोर्ट में खुलासा, ट्रंप प्रशासन की विदेशी सहायता में कटौती बनेगी वजह

एजेंसी

वाशिंगटन । लोग भूख से तड़प-तड़प कर मर जाएंगे। पूरी दुनिया देखती रहेगी, मगर कोई इस विनाशलीला को नहीं रोक पाएगा। इस विनाशलीला में करीब 1 करोड़ 40 लाख लोग काल के गाल में समा जाएंगे। इसकी वजह अमेरिका है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमेरिकी विदेशी सहायता में कटौती से 14 मिलियन से ज्यादा लोगों की मौत हो सकती है। मंगलवार को प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि ट्रंप प्रशासन की ओर से अमेरिकी विदेशी सहायता में की गई कटौती के कारण दुनिया के सबसे कमजोर लोगों में से 14 मिलियन से ज्यादा लोग यानी 1 करोड़ 40 लाख लोगों की मौत हो सकती है। इनमें सबसे ज्यादा मौतें बच्चों की होगी यानी मरने वालों में एक तिहाई छोटे बच्चे होंगे। रिपोर्ट में रिसर्च और स्टडी के सह-लेखक ने कहा कि कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए परिणामी झटका वैश्विक महामारी या किसी बड़े सशस्त्र संघर्ष के पैमाने के बराबर होगा। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि विदेशी सहायता में कटौती से स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण सहायता पर निर्भर लाखों लोगों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। इन कटौतियों का सबसे ज्यादा प्रभाव उन देशों पर पड़ेगा, जहां पहले से ही स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा की स्थिति नाजुक है। खास तौर पर छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण और अपर्याप्त चिकित्सा देखभाल के कारण मृत्यु का सबसे ज्यादा जोखिम है। अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि सहायता में कमी से टीकाकरण, स्वच्छ जल और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेशी सहायता न केवल मानवीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता के लिए भी जरुरी है। सहायता में कटौती से सामाजिक अस्थिरता और प्रवास बढ़ सकता है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह अध्ययन वैश्विक समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि विदेशी सहायता में कटौती के दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

स्कूलों को जोड़ने की नीति का एनएसयूआई कर रही विरोध

एजेंसी

लखनऊ। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने यूपी की योगी सरकार के 50 से कम छात्रों वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों को पास के संस्थानों के साथ जोड़े जाने के हालिया फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनएसयूआई का दावा है कि इस कदम से 27 हजार से ज्यादा स्कूल बंद हो जाएंगे। एनएसयूआई के मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष अनस रहमान और पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ऋषभ पांडे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्रों ने विधानसभा की ओर मार्च किया। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई। अनस ने कहा सरकार का लक्ष्य सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसे बनाए

रखने के बजाय, बीजेपी नेतृत्व वाली योगी सरकार असहमति को दबाने के लिए ग्रामीण छात्रों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर स्कूलों के समायोजन का निर्णय वापस नहीं लिया तो एनएसयूआई अगले 25 दिनों में बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी शामिल होंगे। पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ऋषभ पांडे ने योगी सरकार पर निजी स्कूलों का पक्ष लेने का आरोप लगाया।

खास खबर

एशिया कप 5 सितंबर से होगा शुरू

मुम्बई । एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 को लेकर अभी तक एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है पर माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट 5 सितंबर से शुरू होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा हालांकि इसका मेजबानी अधिकार भारत के पास ही रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार इसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 7 सितंबर को हो सकता है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के अलावा, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई की टीमें भाग लेंगी। ये टूर्नामेंट टी-20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में खेला जाएगा। इसमें पहले ग्रुप स्तर का मुकाबला होगा जिसके बाद सुपर फोर दौर खेला जाएगा। इसके बाद सुपर फोर की शीर्ष दो टीम 21 सितंबर को खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि भारत एशिया कप की मेजबानी से हट सकता है पर बाद में भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इस प्रकार की अटकलों को खारिज कर दिया।

दूसरे टेस्ट से बाहर हुए केशव महाराज

नई दिल्ली। अफ्रीका अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज ग्रोइन इंजरी के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरन मुथुसामी को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर वियान मुल्डर अब महाराज की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी करेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक बयान में कहा, महाराज को यह चोट पहले टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान लगी थी। वह आगे की जांच के लिए स्वदेश लौटेंगे, ताकि उनकी चोट की गंभीरता का पता लगाया जा सके। बयान में यह भी कहा गया कि तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी, जिन्हें बुधवार को टीम से जुड़ना था, अब रिलीज कर दिया गया है ताकि पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों को एक और मौका मिल सके। दूसरा और अंतिम टेस्ट शनिवार, 6 जुलाई से शुरू होगा। साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट 328 रनों के बड़े अंतर से जीतकर सीरीज में बढ़त बना ली है।

ज्योति याराजी के घुटने में लगी चोट

नई दिल्ली। भारत की स्टार हर्डलर और एशियन चैंपियन ज्योति याराजी को ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई है। इस चोट ने न केवल उनके मौजूदा सीजन को प्रभावित किया है, बल्कि इस साल के अंत में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनकी भागीदारी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। याराजी ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा,₹कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई, जिसके चलते मुझे इस सीजन को फिलहाल रोकना पड़ा है। मैं अपनी मेडिकल टीम के साथ मिलकर विकल्पों पर विचार कर रही हूं और आगे की दिशा तय करूंगी।₹ याराजी ने कहा,₹चोटें एक एथलीट के सफर का हिस्सा होती हैं। मैं इसे एक और बाधा मान रही हूं, जिसे जल्द ही आपके समर्थन और आशीर्वाद से पार कर लूंगी। मैं और मजबूत होकर लौटूंगी।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टी20 में 24 रन से हराया

- पांच मैचों की सीरीज में बनाई 2-0 की बढ़त

एजेंसी

ब्रिस्टल। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार देर रात दूसरे टी20 मुकाबले में 24 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। भारत की जीत में जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अर्धशतक जमाकर अहम भूमिका निभाई, जिसके बाद गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को लक्ष्य से दूर रखा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत

की शुरूआत मिश्रित रही। स्मृति मंधाना ने पहली ओवर में दो चौकों से शुरूआत की, लेकिन जल्दी ही भारत को झटके लगे। शैफाली वर्मा एक बार फिर फ्लॉप रहीं और कप्तान हरमनप्रीत कौर भी केवल 1 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। पावरप्ले तक भारत का स्कोर 35/3 था। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर रनगति को तेज किया और 14वें ओवर से मैच का रुख बदल दिया। रोड्रिग्स ने लगातार चौकों और छक्कों की बरसात करते हुए अर्धशतक पूरा किया। वहीं अमनजोत कौर ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 63 रन बनाए। अंतिम ओवरों में ऋचा घोष (32* रन, 20 गेंद) ने तेजी से रन जोड़े और भारत ने 20 ओवरों में 181/4 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंग्लैंड की शुरूआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में सोफिया डंकले रन आउट हो गईं और डैनी व्याट-हॉज पहली गेंद पर ही आउट हो गईं। नट साइवर-ब्रंट ने कुछ आक्रामक शॉट जरूर लगाए, लेकिन वह भी ज्यादा देर टिक नहीं पाईं। इसके बाद टैमी ब्यूमोंट (54 रन) और एमी जोन्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। ब्यूमोंट ने चार साल बाद अपना पहला अर्धशतक पूरा किया, लेकिन एक बेहतरीन थ्रो पर वह रन आउट हो गईं। इसके बाद भारत की गेंदबाजों ने इंग्लैंड की रनों की रफ्तार पर लगाम लगाई। हालांकि सोफी एक्लेस्टन ने आखिरी ओवरों में कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन वे इंग्लैंड को जीत तक नहीं पहुंचा सकीं। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 157/7 रन बनाए।

जिस भी खिलाड़ी पर यौन शोषण के आरोप हैं उसकी जांच हो : सैमी

एजेंसी

बारबाडोस । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि टीम के जिस भी खिलाड़ी पर यौन शोषण के आरोप हैं उसकी जांच की जाये पर कहा कि इसमें सही कानूनी प्रक्रिया का पालन होना चाहिये। इससे पहले गयाना के एक अखबार की रिपोर्ट में कहा गया था कि टीम के एक क्रिकेटर पर 11 युवतियों ने शोषण के आरोप लगाये हैं पर इस मामले में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। सैमी ने कहा कि ये स्थित गंभीर है पर इसमें कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान होना चाहिये। पूर्व कप्तान सैमी ने कहा, ह्यह्यमीडिया में जो कुछ आ रहा है, वह हम सभी को पता है। मैं अपने खिलाड़ियों के बहुत करीब हूं। मैंने उनसे बातचीत की है। एक बात मैं कह सकता हूं कि हम न्याय में विश्वास करते हैं। हमारा भी मानता है कि न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्यहालांकि, इसकी एक तय प्रक्रिया होती है। आरोप लगाए गए हैं और हम जांच में अपनी तरफ से सभी प्रकार से सहायेग करेंगे, जिससे उचित प्रक्रिया और सही प्रणाली का पालन तय किया जा सके। सैमी ने कहा कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले कानून को अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा, ये आरोप हैं। हम न्याय प्रणाली को जानते हैं। आपको प्रक्रिया के लिए इंतजार करना होगा। मैं कोई न्यायाधीश नहीं हूं। जो जानकारी सामने आई है, वही हमारे पास है। मुझे पूरा भरोसा है कि अंत में न्याय होगा।

ममता पाल ने वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में जीता गोल्ड

- बनारस की बेटी ने अमेरिका में बढ़ाया मान

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के राजातालाब में बढ़ैनी खुर्द गांव की ममता पाल ने जिले का मान बढ़ाया है। ममता ने अमेरिका के अलबामा राज्य के बर्मिंघम शहर में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में इतिहास रच दिया है। ममता ने 5000 मीटर क्रॉस कंट्री रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। ममता इस समय उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी के पद पर

तैनात हैं। वे भारत की 260 सदस्यीय टीम का हिस्सा बनकर अमेरिका गई थीं, जहां एक जुलाई को हुए मुकाबले में उन्होंने दुनियाभर के धावकों को पीछे छोड़ते हुए स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खबर बुधवार को जैसे ही गांव पहुंची, पूरा गांव जश्न में डूब गया। डॉ आर. के. पाल, प्यारेलाल, दीनू पाल, एडवोकेट संतोष कुमार पाल, डॉ धर्मेंद्र कुमार पटेल, डॉ राजेश पाल, डॉ राकेश पाल, पप्पू पाल और ग्रामीणों ने ममता के घर पहुंचकर फोन पर बात कर उन्हें और परिजनों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ममता के माता-पिता की आंखों में जहां खुशी के आंसू दिखे वहीं, गांव के लोग भी ममता की सफलता पर गदगद दिखे। ममता के पहले कोच डॉ. आर.के. पाल ने बताया कि ममता की शुरूआती ट्रेनिंग गांव के सरदार पटेल इंटर कॉलेज के मैदान में हुई थी। उन्होंने बताया कि ममता हमेशा से ही मेहनती और अनुशासित खिलाड़ी रही है।

गेंदबाजों के बचाव में उतरे अश्विन

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताने की आलोचना की है। अश्विन ने कहा कि जिस प्रकार से कहा जा रहा है गेंदबाजी कमजोर रही वह सही नहीं है। यहां तक कि कमेंट्री के दौरान भी गेंदबाजों पर ही निशान साधा गया उन्होंने कहा कि शुरूआती बल्लेबाजों ने शतक लगाये पर निचले क्रम के बल्लेबाज असफल रहे जिससे टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। अश्विन ने कहा है कि भारतीय गेंदबाजों के बारे में कमेंट्री अपमानजनक रही

पर ये भी पुछा जाना चाहिये निचले क्रम के बल्लेबाजों ने रन क्यों नहीं बनाये एक वीडियो में अश्विन ने कहा कि हार के बाद गेंदबाजों को हार के लिए दोषी बताया गया। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड ने जिस तरह चौथी पारी में 370 रनों से ज्यादा स्कोर का पीछा किया है। उसमें सिर्फ गेंदबाजों की गलती नहीं थी। अश्विन ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने खेल में पांच शतक बनाए, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, एक बार जब 370 से अधिक रनों के लक्ष्य का पीछा किया गया, तो मुझे लगा कि कमेंट्री भारतीय गेंदबाजों के बारे में अपमानजनक हो गई है। ऐसा कहा जाने लगा कि भारतीय गेंदबाज मैच जिताने में असफल रहे पर य नहीं भूलना चाहिये कि बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने गेंदबाजी को लेकर कहा, टेस्ट में, मुझे लगता है कि मेडन ओवर्स को काफी कम आंका जाता है।

संन्यास से पहले भारत में टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं लियोन

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। लियोन के अनुसार वह संन्यास लेने से पहले भारत में एक टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम बार भारत में साल 2004 में टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद से ही कंगारु टीम मैच जीती है पर सीरीज अपने नाम नहीं कर पायी है। इस प्रकार टीम दो दशक से भारत में सीरीज जीतने में विफल रही है। 37 साल के हो रहे लियोन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल ऑफ स्पिनर हैं। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ 32 टेस्ट मैच खेले हैं। इन मैचों में उनको 130 विकेट भी मिले हैं पर वह कभी भी भारत में टेस्ट सीरीज जीत नहीं पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 2004-05 में

अंतिम बार भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर जीती थी पर तब लियोन टीम में शामिल नहीं थे। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। लियोन ने कहा, मैंने हमेशा ही कहा है कि मैं भारत के अलावसा इंग्लैंड में भी टेस्ट सीरीज जीतना चाहता हूं। हमें कुछ सालों में यह अवसर मिल सकता है। हमें इसके लिए लगातार टेस्ट खेलना होगा और तय करना होगा कि हम पहले वेस्टइंडीज में जीत कर लय हासिल करें।

सिराज ने भी खोला रेस्टोरेंट

हैदराबाद । भारतीय टीम के अधिकतर क्रिकेटर खेल के साथ ही अपना कारोबार भी कर रहे है। विराट कोहली सहित टीम के कई क्रिकेटरों ने अपने रेस्टोरेंट खोले हैं। अब इसी में एक नाम मोहम्मद सिराज का जुड़ गया है। सिराज ने अपने गृह नगर हैदराबाद में अपना पहला रेस्टोरेंट जोहारफा खोला है। इसमें मुगलई, पारसी, अरबी और चीनी व्यंजन परोसे जाएंगे। ये रेस्टोरेंट शहर के पॉश इलाके बंजारा हिल्स में है। सिराज ने अपने इस रेस्टोरेंट को लेकर कहा , ह्यजोहारफा मेरे दिल के काफी करीब है। हैदराबाद शहर ने मुझे नाम , पैसा और पहचान दी है। अब इस रेस्टोरेंट के जरिये मैं शहर को कुछ लौटाना चाहता हूं। इससे यहां के लोगों को घर जैसा खाना परोसा जाएगा। सिराज के अनुसार उनके रेस्टोरेंट जोहारफा में बेहद अनुभवी शेफ हैं।

फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ पहले ही दौर में बाहर

- गॉफ का ग्रास कोर्ट पर खराब रिकॉर्ड जारी

एजेंसी

लंदन। फ्रेंच ओपन 2025 की चैंपियन कोको गॉफ विंबलडन के पहले ही राउंड में चौंकाने वाली हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अमेरिका की नंबर 2 वरीयता प्राप्त गॉफ को यूक्रेन की गैरवरीय डयाना यास्त्रेम्स्का ने सीधे सेटों में 7-6(3), 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला मंगलवार देर रात को प्रतिष्ठित नंबर 1 कोर्ट पर खेला गया। 21 वर्षीय गॉफ इस हार के साथ ओपन एरा में केवल तीसरी महिला बन गई हैं, जो फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अगले ही ग्रैंड स्लैम यानी विंबलडन के पहले दौर में हार गईं। इससे पहले यह दुर्भाग्य जस्टिन हेनेन (2005) और फ्रांसेस्का स्कियावोने (2010) को झेलना

पड़ा था। गॉफ के लिए यह मुकाबला बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने केवल छह विनर लगाए, जबकि 29 अनफोर्स्ड एरर किए, जिनमें नौ डबल फॉल्ट शामिल थे। वहीं यास्त्रेम्स्का ने 16 विनर लगाते हुए दबदबे के साथ मुकाबला अपने नाम किया। रोनाल्ड गैरोस की लाल मिट्टी पर कुछ हफ्ते पहले ही गॉफ ने नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इससे पहले उन्होंने 2023 यूएस ओपन में भी खिताब अपने नाम किया था। लेकिन विंबलडन, जहां उन्होंने 2019 में 15 साल की उम्र में वीनस विलियम्स को हराकर सनसनी मचाई थी, उनके लिए अब तक सबसे कमजोर ग्रैंड स्लैम साबित हुआ है। वह यहां अभी तक सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी हैं और पिछले तीन वर्षों में यह दूसरी बार है जब वह पहले ही राउंड में बाहर हुई हैं। गॉफ के खिलाफ यह यास्त्रेम्स्का की पहली जीत थी। इससे पहले तीन मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 42वीं रैंक की यास्त्रेम्स्का ने कहा, ह्यमैं आज काफी लय में थी। कोको के खिलाफ खेलना अपने आप में खास होता है। यास्त्रेम्स्का ने हाल ही में नॉटिंघम में एक ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तय किया था, जिससे उन्हें आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा, मुझे घास पर खेलना बहुत पसंद है। इस बार ऐसा लग रहा है जैसे घास से मेरी दोस्ती हो गई है। इस जीत के साथ यास्त्रेम्स्का ने न केवल एक बड़ी उलटफेर को अंजाम दिया, बल्कि टूर्नामेंट में अपने अभियान को भी नई उड़ान दी है।

काउंटी में ईशान ने लगातार दूसरे मैच में लगाया अर्धशतक

एजेंसी

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आजकल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। ईशान भारत ए टीम के साथ यहां आये थे जिसमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें काउंटी क्रिकेट में नॉटिंघमशायर ने अपने यहां शामिल कर लिया था। उसके बाद से वह लगातार छाये हुए हैं। ईशान ने काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप डिविजन 1 में लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। लीग के दूसरे मुकाबले में ईशान ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 128 गेंदों में ही 77 रन बनाए हैं।

अपनी इस पारी में ईशान ने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। यॉर्कशायर के खिलाफ इस डेब्यू मैच में ईशान ने 98 गेंदों में 87 रन बनाये। इस पारी में इन्होंने 12 चौके और एक छक्का लगाया। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप डिविजन 1 का 42वां मैच नॉटिंघमशायर और समरसेट के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में सोमरसेट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 379 रन बनाए। वहीं नॉटिंघमशायर ने इसका पीछा करते हुए 125 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर 396 रन बना दिये। नॉटिंघमशायर ने ईशान की बल्लेबाजी से पहली पारी में ही 17 रनों की बढ़त हासिल कर ली। ईशान काउंटी मैच में लंदन की सड़कों पर भोजपुरी गाने पर डांस करते भी दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ हैं। . ईशान किशन के साथी क्रिकेटरों का भी कहना है कि जब भी उन्हें अवसर मिलता है वह भोजपुरी गाने पर डांस करने लगते हैं।

प्रथम जोनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन

एजेंसी

रांची । सिआईएससीई जोनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन संत फ्रांसिस स्कूल लोवाडी में 2 जुलाई 2025 किया गया। इस चैंपियनशिप में रांची जिला के सीआईएससीई बोर्ड के मान्यता प्राप्त विद्यालय ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी 14 ,17 एवं 19 वर्ग मे भाग लिया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सिस्टर कृषि विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल के प्रबंधक ब्रदर जॉर्ज डोमिनिक एवं रांची जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के मिथिलेश कुमार सिंह और कर्मल स्कूल के शारीरिक शिक्षा अनंत एवं अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। संत फ्रांसिस स्कूल के बालिकाओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नित्य प्रस्तुत किया । उद्घाटन मैच में पहला मैच अंडर 14 वर्ग में कार्मल स्कूल एवं सेंट चार्ल्स स्कूल के बीच हुआ। संत फ्रांसिस स्कूल के शिक्षक मिस्टर अनूप केरकेटा के द्वारा भव्य रूप से मंच संचालन किया गया।

रांची जिलास्तरीय सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज

एजेंसी

रांची। 64वीं रांची जिला स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता का शानदार उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बारियातू, रांची में हुआ। इस अवसर पर अंडर-17 बालिका वर्ग के टूर्नामेंट का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी सदर राँची, उत्कर्ष कुमार द्वारा किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची, विनय कुमार, और जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, बदल राज ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन समारोह में रांची जिला फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव आसिफ नईम, रांची रेफरी एचओआर फरीद खान, और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि निशिकांत पाठक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान

गुब्बारे उड़ाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया गया। बारिश के बीच आयोजित इस समारोह ने फुटबॉल के प्रति खिलाड़ियों के जुनून को और बढ़ा दिया। अनुमंडल पदाधिकारी सदर राँची, उत्कर्ष कुमार ने अपने संबोधन में कहा, ऐसे आयोजनों को देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। बालिकाओं का फुटबॉल के प्रति प्रेम और उत्साह देखते ही बनता है। बारिश के बीच फुटबॉल का यह खेल और भी रोमांचक हो जाता है। आज ये बच्चियां यहां खेल रही हैं, कल ये बड़े-बड़े क्लबों और देश के लिए जरूर खेलेंगी। जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, बदल राज ने कहा, सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट एक बड़ा मंच है, जो स्कूली बच्चों को अपनी प्रतिभा तराशने का अवसर प्रदान करता है। इस तरह के आयोजन बच्चों का उत्साह बढ़ाते हैं और उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इस टूर्नामेंट की विजेता टीमें प्रमंडलीय स्तर पर सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट में रांची जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। 64वीं सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक, अंडर-17 बालक, और अंडर-17 बालिका वर्ग की टीमें हिस्सा ले रही हैं। अंडर-15 और अंडर-17 बालक वर्ग के मुकाबले खेल गांव के प्रैक्टिस ग्राउंड में आयोजित हो रहे हैं, जबकि अंडर-17 बालिका वर्ग के मैच मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बारियातू में खेले जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ग में 19-19 टीमें भाग ले रही हैं, और टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जा रहा है। 3 जुलाई 2025 को अंडर-17 बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बारियातू में आयोजित होगा। गुरुवार, 3 जुलाई 2025 को अंडर-17 बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बारियातू में आयोजित होगा। इसके पश्चात, उसी मैदान पर पहली बार लिटिल चैंप अंडर-12 बालक-बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जो युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट न केवल खेल को बढ़ावा देता है, बल्कि यह बच्चों में अनुशासन, सहयोग, और नेतृत्व जैसे गुणों को भी विकसित करता है। यह प्रतियोगिता स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अनूठा मंच प्रदान करती है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में रांची जिला फुटबॉल एसोसिएशन, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, और विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी आयोजकों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विजेता टीमें अब प्रमंडलीय स्तर पर होने वाली सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जहां वे रांची जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह आयोजन न केवल खेल के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को उभारने का अवसर देता है, बल्कि झारखंड के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित करता है।

लंदन में विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के बाद उत्साहित यूक्रेन की डायना यसट्रीमास्का।

सरदार जी 3 विवाद पर आदित्य नारायण ने रखी राय

सिंगर आदित्य नारायण ने दिलजीत दोसांझ और उनकी फिल्म सरदार जी 3 के चल रहे विवाद पर अपनी राय दी है। आदित्य ने कहा कि भारत एक सहनशील देश है, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। आदित्य ने कहा, मुझे नहीं पता मैं क्या कहूं या ना कहूं। मैं देशभक्त हूं। मेरे लिए हमेशा देश पहले है। सामने वाला देश (पाकिस्तान)... ये उनकी आदत है (आतंकवाद को समर्थन देने की)। हम भारतीय प्यार और एकता का संदेश फैलाते हैं। हम वसुधैव कुटुंबकम् में भरोसा करते हैं, लेकिन हम कब तक सहन करें? जो गलत है वो गलत है। समय सही नहीं है। अत्याचार हर भारतीय के दिमाग में ताजा हैं।

आदित्य ने आगे कहा, हमेशा कोशिश की कि दोनों देशों को करीब लाएं, चाहे खेल हो, म्यूजिक या फिल्म। पर सामने वाले की भी जिम्मेदारी होती है। ताली दोनों हाथ से बजती है। अब वक्त है कि हम देश के लिए स्टैंड लें। बहुत हो गया। थोड़ा सा सामने वाले से प्यार मिले तो हम सोचें। अब हमें भी प्यार चाहिए। आदित्य बोले- रिश्ते कभी अच्छे ही नहीं थे आदित्य ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि दिलजीत दोसांझ का फैसला सही है या गलत। उन्होंने कहा, जब इसकी कास्टिंग हुई होगी तब रिश्ते इतने खराब नहीं थे, लेकिन अगर देखें तो रिश्ते कभी अच्छे थे ही नहीं। हालात जटिल हैं, लेकिन देश पहले है। यही मेरा देश है। यही मेरी धरती है।

आदित्य बोले- मैं देश को पहले रखता और उम्मीद नहीं करता जब आदित्य से पूछा गया अगर वो दिलजीत की जगह होते, तो क्या करते? तो आदित्य बोले, मैं देश को पहले रखता। मैं किसी से कुछ उम्मीद नहीं करता। मैं उनके काम पर कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन अगर मैं होता तो देश पहले रखता। हर भारतीय ऐसा करेगा। हम इंडिया से प्यार करते हैं। इंडिया में रहने वाले लोग इंडिया से प्यार करते हैं। इंडिया में ना रहने वाले भी इंडिया से प्यार करते हैं। हमारा देश इतना प्यारा है, हमारे साथ ऐसा क्यों किया जाता है? आदित्य ने आगे ये भी कहा, बस सुधार कीजिए। ये बहुत सेंसिटिव टॉपिक है। हर बात इंटरनेट पर ट्रोल होती है, लेकिन यही मेरी सोच है। हम हमेशा मेहमान नवाज और सहयोगी रहे हैं। अभी भी हैं। प्यार हमारा संदेश है, लेकिन सहनशीलता की भी सीमा है।

कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं रूही सिंह

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं। उनसे पूछा कि जब उन्हें यह फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फ़िल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे। कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

दीपिका पादुकोण ने की ब्रैड पिट की फिल्म एफ1 की प्रशंसा

ब्रैड पिट हॉलीवुड फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में अभिनेता की फिल्म एफ1 भारतीय सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। साथ ही फिल्म को अच्छी प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ने ब्रैड पिट की तारीफ की है और एक पोस्ट शेयर किया है। आइए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा।

क्या बोलीं दीपिका पादुकोण?

ब्रैड पिट अभिनीत एफ 1 27 जून को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह एक रेसिंग फिल्म है, जिसे स्पोर्ट्स प्रेमी पसंद कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्हें ब्रैड पिट की फिल्म की प्रशंसा करते देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने लिखा कि शानदार ब्रैट पिट, क्या फिल्म है। हालांकि, आपको बताते चलें कि ये पोस्ट दीपिका पादुकोण ने कुछ अलग अंदाज में किया है।

एफ 1 फिल्म के बारे में

जोसेफ कोसिंस्की द्वारा निर्देशित एफ1 में ब्रैड पिट के साथ डैमसन इदरीस प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में मैक्स वर्स्टैपेन, फर्नांडो अलोंसो, लुईस हैमिल्टन, कार्लोस सैन्ज, एस्टेबन ओकन, जॉर्ज रसेल, लांस स्ट्रोल, लैंडो नॉरिस और चार्ल्स लेक्लर सहित कई रियल लाइफ के फॉर्मूला 1 सितारे इस फिल्म में कैमियो करते नजर आए हैं।

दीपिका पादुकोण का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने कई शानदार फिल्में दी हैं, जिनमें पद्मावत, बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार सिंघम अगेन में देखा गया था। इसके अलावा एक्ट्रेस की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म में देखा जाएगा। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण एक्शन अवतार में दिखेंगी, जिनके साथ अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

हॉरर कॉमेडी की दुनिया में कदम रखेंगे रणवीर सिंह?

रणवीर सिंह जल्द ही लोकप्रिय स्त्री सिनेमाई ब्रह्मांड में शामिल होने वाले हैं। यह उनकी पहली हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसके अलावा एक्टर अक्सर अपने अतरंगी पहनावे से चर्चा में बने रहते हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, अब रणवीर स्त्री यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं।

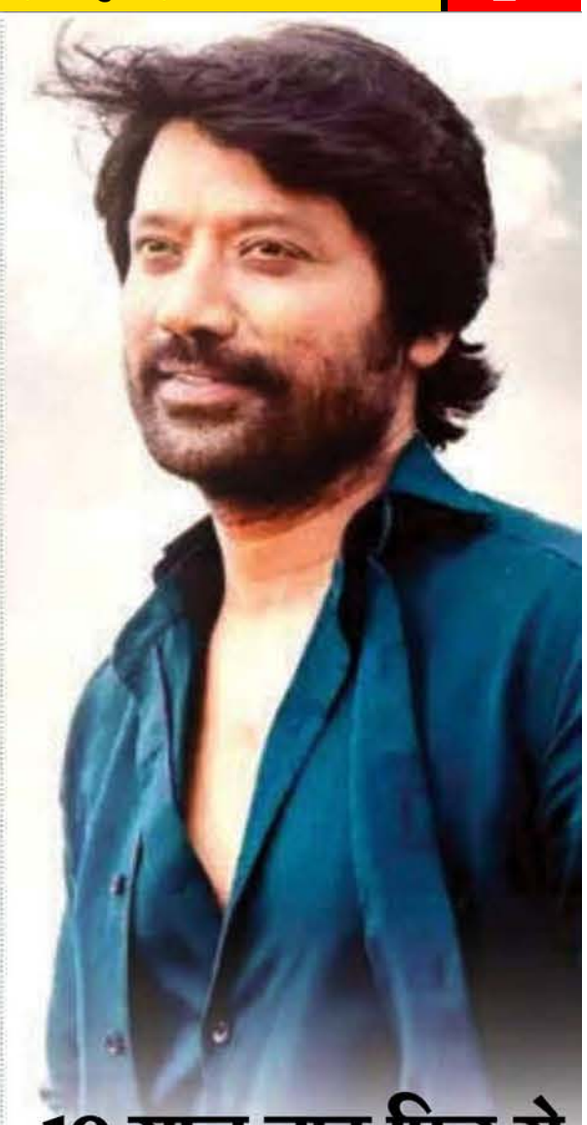

10 साल बाद फिर से डायरेक्टर की कमान संभालेंगे एक्टर एसजे सूर्या

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता और निर्देशक एसजे सूर्या एक दशक बाद निर्देशक की कुर्सी पर फिर से लौटने जा रहे हैं। साल 2015 में फिल्म 'इसाई' के जरिए निर्देशन करने वाले सूर्या अब अपनी अगली फिल्म 'किलर' के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसे उन्होंने अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है। इस खबर के सामने आते ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं और दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म 'किलर' के साथ करेंगे वापसी

एसजे सूर्या की ये नई फिल्म 'किलर' मलयालम की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी श्री गोकुलम मूवीज और एसजे सूर्या की एंजेल स्टूडियोज के बैनर तले बनाई जा रही है। सूर्या ने खुद सोशल मीडिया पर इसका ऐलान करते हुए लिखा कि यह फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है और इसके लिए उन्होंने निर्माता गोकुलम गोपालन का आभार व्यक्त किया। सूर्या ने साथ में फिल्म से जुड़े कुछ फोटोज भी शेयर किए, जिसमें वो गोकुलम गोपालन के साथ नजर आ रहे हैं। एक खास बात ये भी रही कि उन्होंने फिल्म में एक्ट्रेस प्रीति असनारी को किलर गर्ल बताते हुए उनके किरदार को लेकर सस्पेंस भी बढ़ा दिया।

सेलेब्स की बधाईयों की लगी लाइन

एसजे सूर्या की डायरेक्टोरियल वापसी पर साउथ के तमाम बड़े स्टार्स ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। राघव लॉरेंस ने लिखा, 'आपके निर्देशन में वापसी की खबर सुनकर खुशी हुई। आप निर्देशक से बढ़कर एक जबरदस्त एक्टर भी हैं। उम्मीद करता हूं ये फिल्म आपको एक हीरो के तौर पर भी बड़ी सफलता दिलाए।' वहीं, धनुष ने भी उन्हें सपोर्ट करते हुए लिखा, 'आप इस प्रोजेक्ट को लेकर जितने पैशनेट हैं, वो मैं जानता हूं। आपकी इस फिल्म के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। ऑल द बेस्ट।' सिलंबरासन टीआर ने सूर्या को एक बेहतरीन स्टोरीटेलर बताया और उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। इस बीच एक और खबर ने फैन्स की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है। एसजे सूर्या और एक्टर रवि मोहन पहली बार साथ काम करने जा रहे हैं फिल्म 'ब्रो कॉड' में, जिसे डायरेक्ट कर रहे हैं कार्तिक योगी। कार्तिक योगी इससे पहले डिक्कीलूना और वडक्कुपट्टी रामासामी जैसी फिल्मों से पहचान बना चुके हैं। फिल्म को रवि मोहन अपने प्रोडक्शन हाउस रवि मोहन स्टूडियोज के तहत प्रोड्यूस करेंगे। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सूर्या की वापसी को लेकर फैंस उत्साहित

एसजे सूर्या की गिनती उन सितारों में होती है जो अभिनय और निर्देशन दोनों में माहिर हैं। उनकी फिल्मों में कहानी, अभिनय और निर्देशन का जबरदस्त मेल होता है। ऐसे में 'किलर' से उनकी वापसी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

टिपिकल बहू-बीवी वाले कई रोल ठुकराए

अपने पहले ही टीवी शो जस्सी जैसी कोई नहीं से हर दिल में घर बनाने वाली एक्ट्रेस मोना सिंह ने अपने दो दशक लंबे करियर में टीवी, फिल्म, ओटीटी हर जगह अपनी छाप छोड़ी है। बीते दिनों लाल सिंह चड्ढा, काला पानी और मेड इन हैवन में सशक्त अदाकारी के लिए सराही गई मोना इन दिनों वेब सीरीज मिस्त्री में एसीपी सहमत सिद्दीकी के रोल में नजर आ रही हैं।

मोना बताती हैं, जब मैंने टीवी से शुरुआत की थी, तो मुझे भी वो टिपिकल बहू-बीवी वाले रोल बहुत ऑफर हुए थे, पर मैंने वो कभी नहीं किए। मुझे शुरू से पता था कि मुझे क्या नहीं करना है, तो मैंने काफी सारे शोज मना किए, क्योंकि मुझे नहीं बनना पर्दे पर बेचारी। मुझे नहीं चाहिए कि कोई आए और मुझे बचाए। हम खुद अपने को बचाते हैं, खुद अपना ध्यान रखते हैं, तो मुझे किरदार भी वैसे ही करने थे और अब ओटीटी पर वही हो रहा है। ये एक नया दौर चालू हुआ है, जहां फीमेल किरदारों को ज्यादा निडर, आत्मविश्वास से भरा, कामकाजी बनाया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि आप या तो वैंप हैं या हीरोइन हैं तो आपकी जिंदगी बर्बाद है। अब ऐसे रोल गढ़े जा रहे हैं, जिसमें एक औरत के बहुत सारे शेड्स दिख रहे हैं, जो काफी हद तक पुराने स्टीरियोटाइप्स को तोड़ रहे हैं, इसलिए बतौर ऐक्टर मुझे बहुत मजा आ रहा है।

फौजी की बेटी हूं, डरना नहीं सीखा

मोना अपने आत्मविश्वास भरे निडर व्यक्तित्व का श्रेय अपने माता-पिता और फौजी बैकग्राउंड को देती हैं। बकौल मोना, मैं फौजी बैकग्राउंड से हूं। मेरी मां हमेशा एक वर्किंग वुमन रही हैं। एक आत्मविश्वास से भरी और निडर इंसान। मुझसे कभी किसी ने ये नहीं बोला कि तुम किसी से कम हो, तुम लड़की हो, तो ऐसे मत करो। ये मत पहनो। ऐसे मत हंसो। मुझे याद है कि जब मैंने अपने पैरेंट्स को बोला था कि मुझे मुंबई जाकर एक्टर बनना है तो उन्होंने तुरंत हां कर दी थी कि तुम अपने सपने जरूर पूरे करो, क्योंकि हमें कल को ये नहीं सुनना कि पैरेंट्स की वजह से बच्चों ने अपने सपने पूरे नहीं किए, तो मुझमें ये आत्मविश्वास मेरी मां से आया है। दूसरे, हम पंजाबी हैं और पंजाब में ज्यादातर औरतें आत्मविश्वासी और निडर होती हैं। हम पंजाबी में जब एक दूसरे को विश भी करते हैं तो बोलते हैं कि चढ़दी कला में रहो यानी जो भी हो जाए, अपनी जिंदादिली और जज्बा ऊंचा रखो। जो भी तूफान आएंगे, देख लेंगे।

लाल सिंह चड्ढा का किरदार था मुश्किल

अपने 22 साल लंबे करियर में मोना ने टीवी, फिल्म, ओटीटी हर माध्यम में विविधरंगी किरदार किए हैं। सबसे मुश्किल रोल कौन सा था? यह पूछने पर वह कहती हैं, मेरे लिए जस्सी बहुत ही चैलेंजिंग रोल रहा था, क्योंकि उनका लुक वैसा था, पर आपको रियल लगना है। लोगों को यकीन दिलाना है कि वह आपके बीच की लड़की है। इसके अलावा, लाल सिंह चड्ढा का किरदार मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था। उसमें मुझे 20 साल से लेकर 40 साल और फिर 60 साल की लेडी दिखना था, तो 60 साल की उम्र के लिए मैं अपने पैरंट्स को देख रही थी। उनकी बॉडी लैंग्वेज ऑब्जर्व कर रही थी, क्योंकि बोलने, चलने का तरीका बदल जाता है, सब स्लो हो जाता है। फिर, मुझे अपना वजन भी बहुत कम-ज्यादा करना था कि 20 साल की उम्र में पतली, 40 में थोड़ी तगड़ी, फिर 60 की उम्र में बहुत कमजोर और बीमार, तो फिजिकली भी बहुत डिमांडिंग रोल था।

सालों से था रेस्त्रां खोलने का सपना

हाल ही में मोना ने रेस्त्रां खोलकर फूड बिजनेस की ओर रुख किया है। उस ओर कैसे रुझान गया? इस बारे में वह बताती हैं, कई सालों से मन था, क्योंकि हमारे पंजाबी घरों में तो उठते ही खाने की बात होती है। हम सब खाने के बहुत शौकीन हैं। खाना पकाना, खाना खिलाना, पार्टी रखना हमें बहुत पसंद है, तो मैं हमेशा से चाहती थी कि अपना एक छोटा सा कैफे हो। उसमें म्यूजिक चले, लाइब्रेरी हो, फिर वो कैफे से रेस्त्रां हो गया और किस्मत से इस साल यह सपना सच हो गया। हमने उसमें इंडियन फूड रखा है, जो कभी फैशन से आउट नहीं होगा। साथ ही एक नोस्टाल्जिया क्रिएट करने की कोशिश की है कि जो खाना हमने बचपन में खाया था, जब पापा आर्मी में थे, अलग-अलग जगहों पर उनकी पोस्टिंग होती थी, जैसे दार्जिलिंग के मोमो, हिमाचल का सिड्डू ऐसी चीजें रखी हैं।

पर्दे पर पहली बार बनी पुलिसवाली

अपनी वेब सीरीज मिस्त्री की एसीपी सहमत सिद्दीकी की किन खूबियों पर मोना का दिल आया? इस पर उनका कहना था, मैंने पुलिसवाली का रोल कभी नहीं किया था। मैं 22 से इस इंडस्ट्री में मैं हूं, मगर कॉप का रोल पहली बार किया, तो यूनिफॉर्म पहनकर बहुत मजा आया। मिस्त्री अमेरिकन शो मॉन्क का एडेप्टेशन है, जो 90 के दशक में हम सबने देखा है। मैं उसकी बहुत बड़ी फैन हूं, तो जब मुझे यह ऑफर हुआ तो मैं बहुत खुश थी, क्योंकि हमारे यहां ऐसी फीमेल कॉप के रोल बहुत कम बनते हैं, जिनमें थोड़ी हल्की-फुल्की कॉमिडी हो, थोड़ा ड्रामा भी हो। मुझे ये सब करने में बहुत मजा आता है, क्योंकि ओटीटी पर मैंने इतने सारे इंटेंस और सीरियस रोल्स कर लिए है कि सहमत जैसी शांत और सबकुछ आराम से करने वाली कॉप का किरदार मुझे बहुत पसंद आया।

पर्यावरण व प्रकृति के प्रति सदभावना रखें: मलिक

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन में पौधारोपण अभियान के तहत गौतमबुद्धनगर में ओखला पक्षी विहार नोएडा में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री केपी मलिक एवं अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, मुख्य वन संरक्षक पश्चिमी जोन उत्तर प्रदेश मेरठ एन के जानू, वन संरक्षक मेरठ वृत्त मेरठ आदर्श कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं निजानंद आश्रम गाजियाबाद के महंत सुदीप चंद्र उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री द्वारा रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया गया एवं मुख्य वन संरक्षक द्वारा चंदन का पौधा, वन संरक्षक मेरठ द्वारा मौलश्री तथा जिलाधिकारी द्वारा रुद्राक्ष का पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

राज्य मंत्री केपी मलिक ने इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित जन सामान्य को वन महोत्सव की महत्ता के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की तथा पर्यावरण व प्रकृति के प्रति सदभावना रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान को न्यूनतम करने के लिए पर्यावरण संरक्षण के नितांत आवश्यकता है। हम सभी को इस मुहिम का हिस्सा बनना चाहिए।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहां की इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान को महाअभियान 2025 के रूप में हम सबको मिलकर मनाना है, और इस कार्य में जन सामान्य की सहभागिता की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि हम सबको अपनी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करना है।

वन महोत्सव कार्यक्रम में प्रभागीय निदेशक गाजियाबाद ईशा तिवारी, प्रभागीय वन अधिकारी हापुड़ अर्शी मलिक, अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों, वन प्रभाग गौतम बुद्ध नगर के समस्त अधिकारी/कर्मचारी तथा स्वयंसेवी संस्था सी विंग के पदाधिकारियों द्वारा हिस्सा लिया गया।

नोएडा में जल्द आएगी नर्सिंग होम व अस्पताल के प्लॉट की स्कीम

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के शो विंडो शहर नोएडा की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा नोएडावासियों को आधुनिक वह बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण जल्द ही नर्सिंग होम और अस्पताल के प्लॉटों की स्कीम लाएगी नर्सिंग होम और अस्पताल के प्लॉटों की स्कीम जल्द लाने की घोषणा नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने की है।

दरअसल 01 जुलाई (मंगलवार) को 'नेशनल डॉक्टर्स डे' देश भर में मनाया गया था नेशनल डॉक्टर्स डे पर नोएडा में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा नोएडा के सेक्टर 31 स्थित आईएमए भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे नोएडा के सीईओ ने अपने संबोधन में नोएडा की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने पर जोर दिया। नोएडा के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने इस दौरान बताया कि नोएडा प्राधिकरण शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए 10 से 15 दिनों के अंदर नर्सिंग होम और अस्पताल के प्लॉटों की स्कीम लायेगा। सीईओ ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण नर्सिंग होम के दो और अस्पताल के दो प्लॉटों की स्कीम लेकर आएगा

आईएमए के कार्यक्रम में नोएडा के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि शासन से चर्चा के बाद इन चार प्लॉटों की स्कीम को लांच किया जाएगा। नोएडा के सीईओ ने बताया कि उनका प्रयास है कि नोएडावासियों को बेहतर व सस्ता इलाज मिले इसलिए इन चार प्लाटों के लिए बीट सिस्टम नहीं होगा अगर जमीन महंगी होगी तो इलाज भी महंगा होगा इसलिए नर्सिंग होम और अस्पताल के चार प्लाटों की स्कीम के लिए मेरिट सिस्टम होगा मेरिट के आधार पर प्लॉट आवंटित किया जाएंगे।

नोएडा के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कार्यक्रम में मेडिकल टूरिज्म के विषय पर भी चर्चा की। सीईओ ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी मेडिकल टूरिज्म योजना शुरू कर रखी है इसके तहत नोएडा के चिकित्सक एक गांव को गोद लेकर उस गांव के ग्रामीणों की जांच व उपचार कर सकते हैं। नोएडा के डॉक्टर ग्रुप बनाकर उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों का भी भ्रमण कर सकते हैं।

गौतमबुद्धनगर के सरकारी स्कूलों की बदल जाएगी तस्वीर

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर के सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक पहलों तथा नवाचार और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं एच.सी.एल. फाऊंडेशन के बीच कलेक्ट्रेट सभागार में एमओयू साइन किया गया, जिसके अंतर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर के 72 सरकारी विद्यालयों हैं, जिनमें माध्यमिक शिक्षा के 18 और बेसिक शिक्षा के 54 विद्यालयों में शैक्षणिक पहलों को सशक्त किया जाएगा।

इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने एचसीएल फाऊंडेशन द्वारा तैयार की गई मोबाइल स्ज्ञश्वरू और डिजिटल लैब्स की भी शुरुआत की, जो आधुनिक डिजिटल लर्निंग टूल्स, रोबोटिक्स कीट और इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस होगी। यह लैब्स 12 चयनित विद्यालय में संचालित होगी और कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए हैंड्स-ऑन कार्यशालाएं तथा इंटरएक्टिव डिजिटल सत्र आयोजित करेंगी।

जिलाधिकारी ने एचसीएल फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह साझेदारी हमारे जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को नए आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और मोबाइल STEM व डिजिटल लैब्स विद्यार्थियों में जिज्ञासा और नवाचार की भावना को बढ़ावा देगी तथा गुणवत्तापूर्ण

जिला प्रशासन व एचसीएल के बीच एमओयू साइन, डिजिटल लैब्स की शुरूआत

शिक्षा तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करेगी।

एचसीएल फाउंडेशन की निदेशक एवं HCLTech की ग्लोबल ष्टस्क्रप्रमुख डॉ. निधि पुंधीर ने कहा-'हमारा उद्देश्य डिजिटल अंतर को पाटना और भविष्य के लिए तैयार शिक्षार्थियों का निर्माण करना है। हमारा मानना है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और भविष्योन्मुखी शिक्षा मिलनी चाहिए। यह साझेदारी छात्रों में रचनात्मकता सोच और 21वीं सदी के कौशलों को बढ़ावा देगी।' उन्होंने बताया कि एचसीएल फाउंडेशन 2017 से नोएडा और ग्रेटर नोएडा के 41 सरकारी स्कूलों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, जहाँ 24 ICT-इनेबल्ड क्लासरूम और कई डिजिटल लैब्स स्थापित की गई हैं,03 यंग कलाम साइंस सेंटर, 28 पुस्तकालय, 15 विद्यालयों और एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का कायाकल्प किया गया है। उन्होंने बताया कि रोबोटिक्स और सहायक तकनीक आधारित प्रशिक्षण दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को भी दिया जा रहा है, 6,000 से अधिक स्कूल से बाहर के बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ा गया है। सभी कार्यक्रमों में बच्चों की सुरक्षा, समावेश और लैंगिक समानता पर विशेष जोर दिया जाता है। अब तक की है फाउंडेशन 6.5 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, अन्य संबंधित अधिकारीगण तथा एचसीएल फाउंडेशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेवर के मेडिकल स्टोर की जांच

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के मेडिकल स्टोर्स पर मानकों के अनुरूप दवाईयों की बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से औषधि निरीक्षक जय सिंह ने जेवर क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान जेवर टप्पल रोड पर स्थित सिद्धार्थ मेडिकल स्टोर से 02 एवं सैफी मेडिकल स्टोर से 02 दवाओं, कुल 04 दवाओं के नमूने जांच हेतु संग्रहित किये हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बेरोजगारों ने बनाई 'बदमाश कंपनी' नोएडा-दिल्ली में करने लगे लूटपाट

नोएडा (चेतना मंच)। बेरोजगार युवकों ने अपने शौक पूरे करने तथा अपना खर्च चलाने के लिए 'बदमाश कंपनी' बना ली। इस गिरोह में शामिल बदमाश स्कूटी पर घूमकर सुनसान जगह पर लोगों को हथियार दिखाकर उन्हें अपना शिकार बनते और उनसे मोबाइल फोन छीन लेते। वहीं नोएडा और दिल्ली में भीड़भाड़ वाले स्थान, बस स्टैंड व मेट्रो स्टेशन पर खड़े होकर लोगों की जेबतराशी करते। नोएडा पुलिस ने इस गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। नोएडा कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद ने सेक्टर-14ए स्थित कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि नोएडा में मोबाइल फोन चोरी करने वाले तीन बदमाशों को थाना सेक्टर-39 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरोह में शामिल अमित बहादुर उर्फ भोलू निवासी सरिता विहार दिल्ली, कृष्णा पुत्र दिनेश पांडे निवासी दिल्ली तथा रोहित यादव पुत्र शैलेश यादव निवासी दिल्ली को थाना क्षेत्र के दादरी रोड पर सोम बाजार कट से सेक्टर-49 रेड लाइट की तरफ आने वाले रास्ते पर गिरफ्तार किया गया है।

तलाशी के दौरान उनके पास से 10 चोरी और स्नेचिंग के मोबाइल फोन, एक तमंचा 315 बोर, दो चाकू तथा घटना में इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी बरामद की गई है। नोएडा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अमित, कृष्णा और रोहित यादव ने बताया कि हम लोग बेरोजगार हैं। अपने खर्चे और शौक पूरा करने के लिए तीनों ने एक बदमाश कंपनी बना ली और स्कूटी पर घूम कर सुनसान जगह पर लोगों को हथियार दिखाकर उन्हें अपना शिकार बनाते थे।

नोएडा में फर्जी मार्कशीट बनाने का बड़ा 'खेला' 80 हजार से 2 रुपये लाख में होती थी डील

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में फर्जी मार्कशीट मार्कशीट बनाने वाले बड़े गिरोह का नोएडा की पुलिस ने खुलासा किया है। यह गिरोह बेरोजगार व परीक्षा में फेल तथा नौकरी की आयु पार कर चुके लोगों की फर्जी मार्कशीट व अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्र बनाते थे। इन फर्जी मार्कशीट के लिए गिरोह 80 हजार से लेकर 2 लाख रूपये तक में ग्राहक से सौदा करते थे। नोएडा की पुलिस ने इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

नोएडा के सेक्टर-14ए में स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में हुई प्रेसवार्ता में नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद ने बताया कि नोएडा में फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। नोएडा की थाना फेस-1 पुलिस ने जल बोर्ड ऑफिस सेक्टर-1 नोएडा के पास से इस गिरोह के सदस्य अभिमन्यु गुप्ता व धर्मेंद्र गुप्ता को गिरफ्तार किया है।

इनकी निशानदेही पर 66 फर्जी मार्कशीट 7 माइग्रेशन सर्टिफिकेट 22 रिज्यूम 11 प्लेन एप्लीकेशन कॉपी डाटा शीट 4 फर्जी मोहर, एक इंपैक्ट दो लैपटॉप ,दो प्रिंटर एक फोन लैंडलाइन 14 चेक बुक, कैश डिपॉजिट स्लिप व पासबुक एटीएम कार्ड और डेबिट कार्ड तथा 7 मोबाइल फोन और 9 मोबाइल सिम कार्ड अलग-अलग

कंपनियों के बरामद हुए हैं। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद ने बताया कि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

इसी के तहत थाना फेस-1 नोएडा की पुलिस ने सूचना के आधार पर फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। नोएडा कमिश्नरेट पुलिस के पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अभिमन्यु गुप्ता और धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि यह लोग बेरोजगार व परीक्षा में फेल तथा नौकरी की आयु पार कर लेने वाले लोगों की विगत वर्षों की फर्जी मार्कशीट व अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्र बनाते हैं। जो अलग-अलग विश्वविद्यालयों बोर्ड से संबंध दिखाते हैं और मार्कशीट आदि में ग्राहक की इच्छा अनुसार उसकी आयु तथा प्राप्त अंक तथा प्रतिशत अंकित कर ग्राहक को देते हैं। जिसका डाटा उन्हें गूगल से मिलता था। फर्जी मार्कशीट बनाने वाले इसका प्रयोग नौकरी पाने तथा अन्य कामों में इस्तेमाल करते थे । इन फर्जी मार्कशीट के बदले यह लोग ग्राहक से 80 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक और ग्राहक की मजबूरी देखकर उसके हिसाब से रुपए लेते थे।